दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 11 अंक :110 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, रविवार 10 मई, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

गरीब को न्याय दिलाने के बारे में हमें और गंभीरता से सोचना होगा

न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार संकल्पित : सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर के बिड़ला सभागार में प्रदेश भर के लोक अभियोजकों की कार्यशाला का आयोजन, कानून मंत्री जोगाराम पटेल, महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद, मुख्य सचिव श्रीनिवास,पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित प्रदेश भर से आए लोग अभियोजन और न्याय व्यवस्था से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में लोक अभियोजकों की एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में सरकार न्याय व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए संकल्पित है इसके लिए सरकार ने प्रदेश भर में नई अदालतों का गठन भी किया है और आने वाले दिनों में भी कई और अन्य अदालतों का गठन किया जाएगा उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की न्याय व्यवस्था को ई गवर्नेंस के माध्यम से और प्रभावी और मजबूत बनाया है प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि लोगों को त्वरित गति से पारदर्शक तरीके से न्याय मिले इसीलिए पीएम मोदी ने नए कानून के माध्यम से देश की न्याय व्यवस्था को परंपरागत औपनिवेशिक व्यवस्था से मुक्ति दिलवा कर न्याय व्यवस्था को प्रभावी बनाया है मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में जोर देकर कहा कि हमें गरीब को न्याय दिलाने के बारे में और भी गंभीरता से सोचना होगा उन्होंने कहा कि गरीब जब अपने घर से लंबा सफर करके न्याय के लिए अदालत आता है तो उसका काम भी छूटता है और उसका काफी पैसा भी खर्च होता है वह जब बार-बार अदालत के चक्कर काटता है तो उसकी काफी पीड़ा होती है उसके इस दर्द को हमें समझना होगा और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि गरीबों को कैसे और किस तरह से जल्दी से जल्दी इंसाफ मिले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण है और उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों की ओर इंगित करते हुए कहा कि उनके सामने जो लोग बैठे हैं उन पर सरकार और आमजन दोनों का भरोसा है इसलिए आप अपनी जिम्मेदारी को निभाने के लिए और भी सोचने को मजबूर हो जाते हैं क्योंकि आपका निर्णय समाज पर काफी असर डालता है इसीलिए समाज, राष्ट्र और लोग आपको हमेशा आशा भरी निगाह से देखते हैं मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा किआपने हमेशा अपनी जिम्मेदारी कर्तव्य को पूरी ईमानदारी से निभाया है और उन्हें उम्मीद है कि आप आगे भी इसी तरह से अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य को निभाते भी आमजन और सरकार की उम्मीद पर खरा उतरेंगे और राष्ट्र के हितों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करते रहेंगे मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा कि आपके कार्य की तुलना कभी भी आपका वेतन और पैसों से नहीं की जा सकती आपका कार्य का कोई मूल्य नहीं है क्योंकि आपकी मेहनत, आपकी बुद्धि और न्याय दिलाने में आपके अथक प्रयासों की कीमत का अंदाज लगाना मुश्किल है इसीलिए समाज, प्रदेश और राष्ट्र में आपकी सेवाओं का हमेशा सर्वोच्च स्थान रहा इसीलिए लोग अपनी आकांक्षाओं और अपनी इच्छा की पूर्ति के लिए आपकी तरफ देखते हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आपका कार्यक्षेत्र एक ऐसा कार्य क्षेत्र है जिसमें अगर थोड़ी भी लापरवाही हो जाए तो जरूरतमंद समुचित इंसाफ से वंचित तक हो सकता है इसलिए आपके कार्यक्षेत्र की इंपोटेंसी किसी अन्य कार्य क्षेत्र की इंपोर्टेंस से बहुत ज्यादा मानी जाती है इसलिए आप सबसे उम्मीद है कि आप सरकार और लोगों की भावनाओं के अनुरूप पारदर्शक और समुचित इंसाफ दिलाने में कोई कमी बाकी नहीं छोड़ेंगे उन्होंने कहा कि भारत का संविधान, नियम, कानून सब के रखवाले आप हो इसीलिए राष्ट्र के हितों की रक्षा में आपकी भूमिका हमेशा सबसे बड़ी मानी जाती ।

साइबर अपराधों के खिलाफ अंकुश में डिजिटल साक्ष्यों पर जोर देना होगा- अर्जुनराम मेघवाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ अपराध एवं अपराधियों का स्वरूप भी बदल रहा है। साइबर अपराध इसी तरह का उदाहरण है। ऐसे अपराधों पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने के लिए हमारी पुलिस, अभियोजन एवं न्याय व्यवस्था को अधिक सशक्त होना होगा। मेघवाल शनिवार को बिरला ऑडिटोरियम में लोक अभियोजकों को साइबर क्राइम तथा दिव्यांगजनों से संबंधित प्रकरणों में अधिक संवेदनशील बनाने एवं नवीन अपराधिक विधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। विधिक एवं विधिक कार्य विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में उन्होंने साइबर अपराधों में लोक अभियोजन को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। मेघवाल ने कहा कि तकनीक पर आधारित अपराध कई मायनों में परम्परागत अपराधों से अलग है। ऐसे अपराधों के अनुसंधान एवं अभियोजन में तकनीकी साक्ष्यों पर जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल की दंड सहिता को केंद्र सरकार ने भारतीय पृष्ठभूमि पर आधारित न्याय संहिता में बदलकर न्यायिक प्रक्रिया को सुलभ एवं सुगम बनाया है। इसी तरह हमें भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप दिव्यांगजनों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक संवेदनशील नजरिए से देखने की आवश्यकता है। इस अवसर पर राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में लोक अभियोजकों को कानून के साथ-साथ तकनीक की जानकारी रखना भी आज के युग में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोक अभियोजक न्याय प्रणाली की रीढ़ की हड्डी है, जिनके माध्यम से पीड़ित को न्याय मिलना सुनिश्चित हो पाता है। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि भारत अब न्याय प्रणाली के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, जहां दंड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में अंग्रेजों की मानसिकता वाले पुराने औपनिवेशिक कानूनों को समाप्त कर नए कानून लागू किए गए हैं। इन कानूनों के माध्यम से लोक अभियोजकों को अपने मुवक्किल का पक्ष मजबूती से रखते हुए उन्हें त्वरित न्याय दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना आवश्यक है, जो आम आदमी के लिए सुरक्षा कवच का कार्य कर सकें। राज्य पुलिस इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 से अब तक विभाग द्वारा 54 हजार से अधिक पत्रावलियों का निस्तारण किया जा चुका है। साथ ही 56 नए न्यायालय खोले गए हैं। महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि संविधान केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा भी करता है। उन्होंने कहा कि लोक अभियोजक एक स्वतंत्र निकाय है, जिसे 'मिनिस्टर ऑफ जस्टिस' का दर्जा प्राप्त है और जिसका दायित्व सत्य का अन्वेषण कर पीड़ित को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य में चूक समाज को असुरक्षित बना सकती है। उन्होंने दिव्यांगजन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए न्याय प्रक्रिया को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों का मुख्य उद्देश्य पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाना है। इन नए प्रावधानों में अभियोजन निदेशालय की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करता है। उन्होंने पुलिस की जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल एविडेंस पर विशेष फोकस किए जाने तथा न्यायपालिका के साथ बेहतर समन्वय एवं सहयोग स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। विधि एवं विधिक कार्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव राघवेन्द्र काछवाल ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधि एवं विधिक कार्य विभाग का लोगो का विमोचन किया गया एवं विभाग की कार्यप्रणाली को दर्शाती लघु फिल्म का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

सुवेंदु अधिकारी ने सीएम पद की शपथ ली :

मोदी ने बंगाल की जनता को दंडवत किया प्रणाम, भजनलाल शर्मा ने अधिकारी को दी बधाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पश्चिम बंगाल के इतिहास में 9 मई का दिन उस समय ऐतिहासिक बन गया जब सुवेंदु अधिकारी ने भाजपा सरकार के रूप में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर घुटनों के बल बैठकर पश्चिम बंगाल की जनता को दंडवत प्रणाम किया इस शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अलावा कई केंद्रीय मंत्री राजस्थान के मुख्यमंत्री के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे । सुवेंदु अधिकारी के अलावा कैबिनेट मंत्री के रूप में दिलीप घोष, अग्निमित्र पाल, अशोक कीर्तनीय, खुदीराम और निशिथ को भी शपथ दिलाई गई इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंच पर घुटनों के बल बैठकर पश्चिम बंगाल की जनता को प्रणाम करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह से पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत पर पश्चिम बंगाल के लोगों का आभार प्रकट कर रहे हैं वह देश भर के लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है वैसे तो देश में पांच राज्यों में अभी हाल ही में विधानसभा चुनाव संपादित हुए थे उनमें पश्चिम बंगाल, असम और मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का गठन हुआ है लेकिन असम में पहले से ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी वहां पर असम के लोगों ने फिर से भाजपा को सरकार बनाने का मौका दिया इसलिए असम से ज्यादा शुरू से ही भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली में बैठे नेताओं की इस बार पश्चिम बंगाल के चुनाव में जीत हासिल करने के विषय पर सबसे ज्यादा फोकस था पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ,गृहमंत्री अमित शाह, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित भारतीय जनता पार्टी के कई बड़े-बड़े नेताओं ने यहां जोरदार प्रचार किया था चुनाव के बाद से ही भारतीय जनता पार्टी के नेता मिले फीडबैक के आधार पर यह मानकर चल रहे थे कि इस बार पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का गठन होगा उनका यह आइडिया सही भी साबित हुआ जब भाजपा को पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने के लिए पूरा बहुमत मिल गया, बहुमत मिलने के बाद यह पहले से ही माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी सुवेंदु अधिकारी को ही मुख्यमंत्री पद के लिए आगे करेगी क्योंकि सुवेंद्रु अधिकारी पूर्व में ममता बनर्जी के सहयोगी रहे हैं लेकिन बाद में ममता बनर्जी से वैचारिक मतभेद के चलते उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी इसके बाद इन चुनाव में उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और शानदार दर्ज की पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी काफी अनुभवी राजनेता माने जाते हैं इसीलिए भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी है

मंत्रिमंडल फेरबदल और राजनीतिक नियुक्तियां होने की अटकलें तेज, कुछ वरिष्ठ और कुछ युवा नेताओं को मिल सकती है जगह

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश में पिछले सवा दो साल में भजनलाल सरकार ने हर क्षेत्र में शानदार और उत्कृष्ट कार्य किया है इसलिए सरकार के इस परफॉर्मेंस को आगे भी जारी रखने के लिए प्रदेश में बहुत जल्दी ही मंत्रिमंडल का विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियां होने की अटकलें तेज हो गई हैं, वर्तमान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित 24 मंत्री मंत्रिमंडल में हैं इसलिए नियमों के अनुसार 6 और मंत्री बनाए जा सकते हैं इसलिए कहा जा रहा है कि कुछ वरिष्ठ और कुछ युवा चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है चर्चा यह भी है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंत्रिमंडल विस्तार के लिए होमवर्क पूरा कर लिया है जिन नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह देनी है और जिन मंत्रियों को खराब परफॉर्मेंस के लिए हटाया जा रहा है इसके बारे में पूरा होमवर्क कंप्लीट हो गया है अब सिर्फ पार्टी के दिल्ली दरबार को अंतिम निर्णय लेना है अब देखने वाली बात यह है कि प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर शासन सचिवालय के गलियारों में जो चर्चाएं सुनने को मिल रही हैं वह चर्चा चर्चा बनकर ही रह जाएगी या फिर यह चर्चा सत्य साबित होगी यह देखने वाली बात होगी क्योंकि इससे पहले भी प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा हो चुकी है लेकिन भाजपा हाई कमान ने भजनलाल सरकार के वर्तमान मंत्रिमंडल में फेरबदल करना मुनासिब नहीं समझा था लेकिन इस बार कहा जा रहा है कि आगामी पंचायत राज और नगर निकाय चुनाव को देखते हुए भाजपा हाई कमान और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दोनों यह चाहते हैं कि मंत्रिमंडल में कुछ वरिष्ठ नेताओं और कुछ सक्रिय युवाओं को शामिल किया जाए ताकि सरकार के कार्यों को और भी बेहतर तरीके से गति मिल सके अभी यह कहना तो काफी मुश्किल है कि सरकार के मौजूदा मंत्रियों में किन्हे हटाया जा रहा है और किन नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा रहा है क्योंकि यह पूरा विषय सिर्फ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा हाई कमान तक ही केंद्रित है लेकिन कहा जा रहा है कि पूर्व मंत्री चंद्र कृपलानी, विराटनगर के विधायक कुलदीप धनकड़, कालीचरण सराफ, डॉ विश्वनाथ इत्यादि के नाम मंत्रिमंडल के लिए चर्चा में बने हुए हैं ।

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
10 मई, 2026

भिवाड़ी नगर परिषद् के वार्ड 1 से 60 तक की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजार(निसं.)। राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार नगर पालिका आम चुनाव 2026 के लिए नगर परिषद् भिवाड़ी क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्य को पूर्ण कर लिया गया है। नगर परिषद् भिवाड़ी के वार्ड संख्या 1 से 60 तक की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन गुरुवार को वार्डवार कर दिया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नगर परिषद् भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार वार्ड 1 से 60 तक की निर्वाचक नामावली के प्रारूप का प्रकाशन 13 अप्रैल 2026 को किया गया था तथा 14 अप्रैल को मतदान केंद्रों पर उसका पठन कराया गया। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान नियुक्त प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा 14 अप्रैल से 27 अप्रैल 2026 तक कुल 2136 दावे एवं 1260 आक्षेप प्राप्त किए गए, जिनका निस्तारण निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा 3 मई 2026 तक कर पूरक सूची तैयार की गई। प्रारूप प्रकाशन के समय वार्ड 1 से 60 तक कुल मतदाताओं की संख्या 61,051 थी, जो अंतिम प्रकाशन के समय बढ़कर 61,610 हो गई है। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची का अवलोकन नगर परिषद् भिवाड़ी की चुनाव शाखा में कार्यालय समय के दौरान किया जा सकता है।

मदर्स डे समारोह का उद्देश्य माताओं के प्रति सम्मान, प्रेम तथा परिवारों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत बनाना रहा

सूर्य नगर के दा सांता किड्ज़ स्कूल में हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। सूर्य नगर स्थित दी सांता किड्ज़ स्कूल द्वारा मदर्स डे के अवसर पर शहर के एक रेस्टोरेंट में स्कूली बच्चों के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रेखा महलावत रहीं, जिन्होंने सभी माताओं को सम्मानित करते हुए उनके योगदान की सराहना की। विद्यालय की निदेशक किरण मुखीजा एवं हिमांशी अरोड़ा ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में माताओं एवं बच्चों के लिए कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा रैंप वॉक मुख्य आकर्षण रहे। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बना दिया। मदर्स डे समारोह का उद्देश्य माताओं के प्रति सम्मान एवं प्रेम व्यक्त करना तथा परिवारों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत बनाना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने आयोजन की बहुत प्रशंसा की।

खानपुर अहिर में पहुंचा ग्राम विकास रथः एलईडी स्क्रीन से दिखाए विकास कार्य, योजनाओं की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। विधानसभा मुंडावर की ग्राम पंचायत खानपुर अहिर में राजस्थान सरकार के 'ग्राम विकास रथ अभियान' के तहत विकास रथ पहुंचा। विकास रथ के माध्यम से एलईडी स्क्रीन पर जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी गई। रथ के गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों में उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने योजनाओं से जुड़ी जानकारी को ध्यानपूर्वक देखा।

कई सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई

कार्यक्रम के दौरान सड़क, बिजली, पेयजल, कृषि, सामाजिक सुरक्षा और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई। कई ग्रामीणों ने योजनाओं का लाभ लेने के लिए अधिकारियों से सीधे जानकारी प्राप्त की। जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि सरकार गांव, किसान और गरीब वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम विकास रथ अभियान का उद्देश्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

11 मई को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा 'सोमनाथ पर्व'

अलवर(निसं.)। शहर के प्राचीन श्री त्रिपोलिया महादेव मंदिर में 11 मई 2026, सोमवार को 'सोमनाथ पर्व' श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग एवं आयुक्त के निर्देशों की अनुपालना में आयोजित होने वाले इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर मंदिर प्रशासन द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मंदिर महंत जितेंद्र खेड़ापति ने जानकारी देते हुए बताया कि पर्व के अवसर पर दिनभर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, विशेष पूजा-अर्चना, झांकियां एवं आरती कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11 बजे महिला मंडल द्वारा निकाली जाने वाली भव्य कलश यात्रा से होगा। यह यात्रा मथुराधीश मंदिर से प्रारंभ होकर त्रिपोलिया महादेव मंदिर पहुंचेगी, जिसमें महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेंगी। इसके पश्चात दोपहर 12:15 बजे मंदिर परिसर में रुद्राष्टाध्यायी पाठ एवं भगवान शिव का विशेष अभिषेक किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 84960 प्रीलिटिगेशन व लंबित प्रकरणों में कुल 102247402 रूपये के अवार्ड हुऐ पारित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर तथा अनंत भण्डारी, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) अलवर के निर्देशानुसार शनिवार को आज वर्ष 2026 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन जिला न्यायालय परिसर, अलवर में द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत रूप से किया गया। लोक अदालत में बैंच संख्या 01 के अध्यक्ष मोहनलाल सोनी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) अलवर तथा सदस्य रश्मि शर्मा एवं मीरा बाई जैन अधिवक्ता, बैंच संख्या 02 के अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सोनी अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 03, अलवर सदस्य सुषमा गुप्ता अधिवक्ता, बैंच संख्या 03 के अध्यक्ष अजी कुड़ी अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 04, अलवर एवं सदस्य अमित पंचैली अधिवक्ता, बैंच संख्या 04 के अध्यक्ष गुजन सिंह अति. मुख्य न्यायिक मजि. संख्या 01, अलवर एवं सदस्य सीमा मुखिजा अधिवक्ता एवं बैंच संख्या 05 के अध्यक्ष सुश्री रितिका अग्रवाल अति. सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि. संख्या 03 अलवर एवं सदस्य सुश्री राखी यदुवंशी अधिवक्ता, अभिमन्यु सिंह चौहान अध्यक्ष जिला बार अभिभाषक संघ बैंक एवं बीमा कंपनियों के अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी एवं वादकारीगण भी उपस्थित रहे।

यह राष्ट्रीय लोक अदालत विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य न्यायालयों में लंबित एवं प्रीलिटिगेशन स्तर के विवादों का आपसी समझौते एवं सुलह के माध्यम से त्वरित, सुलभ एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रभावी संचालन के लिए अलवर जिला न्यायक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त ताल्लुका मुख्यालयों पर स्थित न्यायालयों, अन्य न्यायिक मुख्यालयों, राजस्व न्यायालयों तथा प्रीलिटिगेशन स्तर के प्रकरणों के निस्तारण हेतु जिला मुख्यालय अलवर पर कुल 05 बेंचों का तथा शेष समस्त ताल्लुका मुख्यालयों के लिए कुल 06 बेंचों का गठन किया गया।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामें के माध्यम से विभिन्न बैंकों, श्रम विभाग, बीएसएनएल, जेवीवीएनएल, राजस्व विभाग, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका आदि विभागों से संबंधित कुल 84610 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में से 72804 प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर कुल 17517541 रूपये का अवार्ड पारित किया गया। इसके अतिरिक्त लंबित प्रकरणों में आपराधिक प्रकृति के कुल 931 प्रकरणों में 28500 रूपये, एनआईएक्ट के 209 प्रकरणों में 36204664 रूपये, धन वसूली के कुल 8 प्रकरणों में 1617835 रूपये, सिविल के कुल 148 प्रकरणों में कुल 2533862 रूपये, एमएसीटी के कुल 49 प्रकरणों में 27010000 रूपये, श्रम विवाद के कुल 10 प्रकरणों में कुल 13335000 रूपये, पारिवारिक मामलों के कुल 123 प्रकरण, वाणिज्यिक के 15 प्रकरणों में कुल 3303000 रूपये, जनउपयोगी सेवाओं से संबंधित 26 प्रकरण, उपभोक्ता के कुल 15, राजस्व मामलों में कुल 4493 प्रकरणों का निस्तारण किया गया एवं अन्य कुल 6129 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

इस प्रकार कुल 19780 न्यायालयों के लंबित प्रकरणों में से कुल 12156 प्रकरणों का राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण किया जाकर कुल 84729861 रूपए का अवार्ड पारित किया गया। इन प्रकरणों को निस्तारित करने में कुल 11 बैंचों ने कार्य किया।

सचिव सोनी द्वारा अलवर न्यायक्षेत्र में प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायालय स्टॉफ एवं बैंक व अन्य संस्थान के अधिकारीगण द्वारा लोक अदालत के सफलतापूर्वक संचालन एवं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तथा नगर निगम प्रशासन द्वारा न्यायालय परिसर में शानदार रंगोली एवं समुचित साफ-सफाई आदि व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

महाराणा प्रताप जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, तलवारबाजी व मार्शल आर्ट प्रदर्शन रहे आकर्षण का केंद्र

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर राजपूत समाज एवं सर्व समाज के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को विशाल शोभायात्रा एवं रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ राजपूत छात्रावास से किया गया, जहां महिपाल सिंह मकराना, राजेन्द्र सिंह बसेठ, लक्ष्मेश कुमार सिंह (प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राजस्थान), गोपाल सिंह नरूका (राजपूत सभा अध्यक्ष, अलवर) एवं प्रेम सिंह राजावत ने नारियल फोड़कर रैली को रवाना किया।

रैली का नेतृत्व जितेंद्र सिंह राठौड़ (करणी सेना अध्यक्ष), नवरंग पाल सिंह चौहान, मार्शल आर्ट कोच सोमवीर सिंह, तंवर रविराज चौहान, जितेंद्र सिंह कच्छावा, सुशील सिंह एवं नन्दू बना ने किया। शोभायात्रा राजपूत छात्रावास से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए मोती डूंगरी स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पहुंची, जहां महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित कर रैली का समापन किया गया। रैली के दौरान शहर में जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। अशोका टॉकीज पर महेंद्र गोयल, त्रिपोलिया में यश भार्गव तथा बजाजा बाजार में गजेंद्र सिंह द्वारा रैली का भव्य स्वागत किया गया। वहीं चूड़ी मार्केट व्यापार समिति द्वारा ठंडाई की विशेष व्यवस्था की गई।

रैली में सर्व समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण स्कूल विद्यार्थियों एवं मार्शल आर्ट टीम द्वारा प्रस्तुत पट्टेबाजी एवं तलवारबाजी के प्रदर्शन रहे, जिनकी लोगों ने जमकर सराहना की। इस अवसर पर भूपेंद्र सिंह शेखावत (राजपूत शिक्षा समिति अध्यक्ष), सूरजभान सिंह गोड़, रमेश सिंह चौहान, राजेश सिंह बहाली, धर्मेंद्र सिंह वार्डन, भगवान सिंह कुशवाहा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

20 मई से लगेगा ग्रीष्मकालीन महिला प्रशिक्षण एवं बाल संस्कार शिविर

भारत विकास परिषद् अलवर द्वारा ओसवाल स्कूल में होगा आयोजन, 18-19 मई को रजिस्ट्रेशन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भारत विकास परिषद् अलवर एवं भारत विकास परिषद् अलवर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन महिला प्रशिक्षण शिविर एवं बाल संस्कार शिविर का आयोजन 20 मई से 29 मई 2026 तक किया जाएगा। शिविर का आयोजन ओसवाल स्कूल शिक्षण समिति, मोनिया बाबा की प्याऊ के पास, अग्रवाल धर्मशाला के सामने आयोजित होगा।

शाखा अध्यक्ष गिरीश गुप्ता ने बताया कि शिविर की तैयारियों एवं सफल संचालन को लेकर स्वामी विवेकानंद स्मारक पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रकल्प प्रमुखों एवं अन्य सदस्यों ने अपने सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वावलंबी बनाना एवं उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना है। बैठक में सचिव अशोक कुमार गुप्ता, शाखा संयोजक महिला सहभागिता शोभा अग्रवाल, प्रकल्प संयोजक महिला शिविर आशा मित्तल, प्रकल्प संयोजक बाल संस्कार शिविर अनुराधा चौहान, सह-संयोजक नीना सोनी, सुनीता बंसल, पूर्व प्रांतीय सचिव अशोक मित्तल, शाखा संयोजक संस्कार राधारमण सोनी एवं हेमेन्द्र अग्रवाल उपस्थित रहे।

शाखा संयोजक महिला सहभागिता शोभा अग्रवाल ने बताया कि शिविर के लिए 18 एवं 19 मई को शाम 5:30 बजे से 7 बजे तक ओसवाल स्कूल में पंजीयन किए जाएंगे।

प्रकल्प संयोजक आशा मित्तल ने जानकारी दी कि शिविर में नृत्य, कत्थक, मेहंदी, ढोलक, योगासन, कैलीग्राफी, ब्यूटिशियन, सिलाई, ड्राइंग एवं पेंटिंग, कुकिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट तथा जुडो-कराटे सहित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रकल्प संयोजक अनुराधा चौहान ने बताया कि प्रत्येक विधा का पंजीयन शुल्क मात्र 50 रुपये रखा गया है, जबकि कुकिंग का शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षणार्थी किसी भी एक विधा में भाग ले सकेंगी।

महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर अलवर में भव्य आयोजन

युवाओं को इतिहास से जुड़ने और स्वाभिमान बनाए रखने का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर शुक्रवार शाम राजगुप्ता सभागार, बर्फखाना रोड अलवर में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम संयोजक महेन्द्र गोयल ने बताया कि समारोह की शुरुआत महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक संतराम सिंह अरोड़ा ने की, जबकि योग गुरु आनंद अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मीराधाम ट्रस्ट की अध्यक्ष राजगुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन पूजावाले एवं सचिव प्रमोद शर्मा ने अतिथियों का साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

समारोह में मोहन पूजावाले ने महाराणा प्रताप के शौर्य एवं त्याग का सजीव वर्णन करते हुए युवाओं को इतिहास से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। वहीं राजगुप्ता ने अपनी ओजपूर्ण कविता से उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। प्रवक्ता लक्ष्मेश कुमार सिंह ने राजस्थान की गौरवशाली परंपरा और ऐतिहासिक तथ्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रूबी वर्मा, पूर्णिमा नरूका एवं सीमा पोपली ने क्षत्राणियों का पटका पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में सतीश मोदी, क्षितिज माथुर, दिनेश खंडेलवाल, कृष्णकुमार खंडेलवाल, खुशी जाटव, लता जैन, मीरा यादव, मेघना सैनी, सोमवीर सिंह वर्ल्ड मास्टर चैंपियन, नवरंग लाल चौहान, जितेंद्र सिंह कछवाहा, अनिल नागर, राजन गुप्ता, नीरज पांडे, नवीन सैन एवं यश भार्गव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में महेन्द्र गोयल ने दीप प्रज्ज्वलित कर स्वाभिमान एवं आत्मसम्मान बनाए रखने का संदेश दिया। इस दौरान राजेंद्र सिंह शर्मा (पप्पी) एवं दिनेश ठाकुर ने महाराणा प्रताप के चित्र के समक्ष दीप जलाकर वीर योद्धा को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की सह-संयोजिका रूबी वर्मा रहीं।

मोहम्मदपुर में ग्राम विकास रथ का भव्य स्वागत

ग्रामीणों को दी गई सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निसं.)। राजस्थान सरकार के ग्राम विकास रथ का शनिवार को पंचायत समिति बहरोड़ की ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर में भाजपा नेता बस्तीराम यादव एडवोकेट के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एलईडी मोबाइल वैन के माध्यम से ग्रामीणों को राजस्थान सरकार की शिक्षा, चिकित्सा, सड़क सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की विस्तृत जानकारी वीडियो स्क्रीन पर दिखाई गई।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रभारी यादराम जांगल ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा आमजन से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता भाजपा नेता बस्तीराम यादव एडवोकेट ने कहा कि राजस्थान सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल पर प्रभावी अंकुश लगाकर युवाओं का विश्वास मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं के लिए बड़े स्तर पर सरकारी भर्तियां खोलने एवं भर्ती कैलेंडर सुनिश्चित करने का कार्य किया गया है। साथ ही राजस्थान को सौर ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी बनाकर विद्युत क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री रमेश चंद्र रावत, विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश बावता, सहायक विकास अधिकारी केवल कृष्ण मांड्या, पशु चिकित्सा अधिकारी मंडोवरा, सरपंच सौताज यादव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य देवेंद्र रैया, रामअवतार गुर्जर सरपंच, सुरेंद्र यादव एडवोकेट, रोहतास गुर्जर, दयाराम गुर्जर, विकास रावत एडवोकेट, विक्रम प्रजापत, अशोक गुर्जर, सुनील यादव, रोहतास पार्षद सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्राम रथ अभियान: गाँव-गाँव पहुँची विकास की गूँज, जनप्रतिनिधि और जनता के बीच सीधा संवाद

सशक्त गांव, समृद्ध किसान के उद्देश्य को चरितार्थ करती सरकारी योजनाएँ

सुझाव पेटिका बन रही ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विकास का आधार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित भारत-विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने के लिए 'ग्राम विकास रथ' जिले के सुदूर ढाणियों और गाँवों की चौपालों तक पहुँचकर ग्रामीणों को सरकार के 13 विभागों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर रहे हैं। इन दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं संध्या चौपाल के माध्यम से लोक कलाकार भी इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित कर रहे हैं।

जनप्रतिनिधि आपके द्वार, खुशहाल होगा ग्रामीण परिवार

केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान में जनप्रतिनिधि केवल सरकार की योजनाओं की जानकारी का प्रसार ही नहीं कर रहे है, बल्कि ग्रामीणों को इनका लाभ जागरूक रहकर उठाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पूर्व विधायक श्री जयराम जाटव अलवर ग्रामीण क्षेत्रा में स्वयं रथ के साथ गाँव-गाँव पहुँच कर चौपालों पर बैठकर ग्रामीणों को कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की बारीकियां समझा रहे हैं।

सुझाव पेटिका में ग्रामीण दे रहे बढचढकर अपने सुझाव

ग्राम रथ के साथ एक सुझाव पेटिका लगाई गई है। ग्रामीण इसमें अपनी समस्याओं और गाँव के विकास के लिए अपने सुझाव लिख कर डाल रहे हैं, जिससे प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है।

गीत-संगीत का साथ है, योजनाओं की अब हर घर में हो रही है बात

ग्राम रथ अभियान के तहत आयोजित संध्या चौपालों में सूचना के पारंपरिक तरीकों से हटकर कला जत्था के कलाकार लोक गीतों, नुक्कड़ नाटकों और संगीत के माध्यम से मनोरंजक तरीके से योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं, जो ग्रामीणों को काफी प्रभावित कर रहा है। इस दौरान रामगढ विधानसभा क्षेत्रा में आयोजित संध्या चौपाल में रामगढ विधायक सुखवंत सिंह ने ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की विस्तार से जानकारी देकर उनका जागरूक रहकर लाभ उठाने का आह्वान किया। ग्राम रथ अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता और विकास की एक नई लहर देखी जा रही है।

नावा की हिस्ट्री में विजय सिंह चौधरी ने अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखवाया

पिता जैसे लोगों का पा रहे सम्मान, नावा को दिलाई नई पहचान, नावा के पहले ऐसे विधायक जिन्हें राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल में मिली जगह और अपनी जमीनी मजबूत पकड़ के दम पर इलाके में भारतीय जनता पार्टी का शान से लहरा रहे झंडा तथा पिता रामेश्वर लाल चौधरी के अधूरे कार्यों और सपनों को कर रहे पूरा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश में पिछले गहलोत सरकार में काफी प्रभावशाली विधायक रहे महेंद्र चौधरी को पिछले विधानसभा चुनाव में बड़े मतों के अंतर से पराजित कर राजस्थान विधानसभा में दूसरी बार पहुंचे, विजय सिंह चौधरी ठीक उसी तरह से अपने निर्वाचन क्षेत्र नावा और आसपास के निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से भरपूर प्यार और सम्मान पा रहे हैं जैसे पूर्व में इनके पिता दिवंगत रामेश्वर लाल चौधरी ने कई सालों तक क्षेत्र की जनता से पाया था ।हालांकि यह बात अलग है कि इनके स्वर्गवासी पिता चार बार कांग्रेस पार्टी से विधायक रहे थे लेकिन 2001 में इनके निधन के बाद कांग्रेस पार्टी ने इन्हें और इनके परिवार को पूरी तरह से भुला दिया जबकि स्वर्गीय रामेश्वर लाल चौधरी 1972 से 1977, 1977 से 1980, 1980 से 1985 और 1993 से 1998 तक नावा से कांग्रेस पार्टी से विधायक चुने गए इसलिए इतने सालों तक कांग्रेस पार्टी की समर्पित भाव से सेवा करने और चार बार कांग्रेस पार्टी से विधायक रहने के बावजूद भी इनके निधन के बाद जब इनके बेटों विजय सिंह और दारा सिंह को कांग्रेस पार्टी ने गले नहीं लगाया तो फिर दिवंगत रामेश्वर लाल चौधरी के दोनों बेटों विजय सिंह और दारा सिंह के पास दूसरी पार्टी ज्वाइन करने का कोई विकल्प नहीं बचा था, अपने पिता के निधन के बाद अपने पिता की विरासत को मजबूती से संभालने और क्षेत्र के लोगों की सेवा करने तथा अपने पिता के अधूरे कार्यों को पूरा करने की नीयत से विजय सिंह ने 2003 और 2008 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी से टिकट की मांग की थी लेकिन पार्टी ने इन्हें टिकट नहीं दिया तो क्षेत्र की जनता की सलाह और सुझाव के बाद विजय सिंह ने भाजपा को ज्वाइन करना मुनासिब समझा और फिर 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इन्हें नावा एक चुनाव मैदान में उतारा जिसमें विजय सिंह ने तत्कालीन कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र चौधरी को पराजित किया और पहली बार विधानसभा में दमदार तरीके से अपनी एंट्री मारी तब से लेकर आज तक विजय सिंह भाजपा के संगठन हो तो लगातार मजबूती प्रदान कर ही रहे हैं इसके अलावा क्षेत्र के लोगों में अपने पिता की तरह लगातार पॉपुलर होते जा रहे हैं, निरंतर लोगों से संवाद और अपने पिता की तरह सहज और सरल दिखने वाले विजय सिंह अपने निर्वाचन क्षेत्र की छोटी-बड़ी सभी तरह की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास करते रहते हैं। वर्ष 2013 से 2018 तक अपने विधायक रहने के दौरान अपनी पार्टी की तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार के शासनकाल में भी इन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में काफी विकास कार्य करवाए और वर्ष 2018 का विधानसभा चुनाव हारने के बावजूद भी इन्होंने अपने क्षेत्र के लोगों से मिलने जुलने का सिलसिला लगातार जारी रखा, रोजाना लगातार कार्यक्रम तैयार करके क्षेत्र में हर जाति और बिरादरी के लोगों से निरंतर मुलाकात करना और लोगों के सुख-दुख के अवसर पर अपनी उपस्थिति दिखाते रहे जिसकी वजह से कभी भी इनकी क्षेत्र के लोगों में जमीनी पकड़ और जुड़ाव कम नहीं हुआ उसी का नतीजा रहा की वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में विजय सिंह ने दोबारा से कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र चौधरी को करीब 23000 मतों से पराजित किया इस शानदार जीत के बाद विजय सिंह ने नावा की हिस्ट्री में एक ऐसे पहले विधायक के रूप में अपना नाम स्वर्णपन्नों में लिखवा लिया है जिन्हें राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल होने का नावा विधायक के रूप में पहली बार मौका मिला, विजय सिंह की इस उपलब्धि से क्षेत्र का प्रत्येक व्यक्ति खुद को तो खुद गौरवान्वित महसूस कर ही रहा है इसके अलावा मंत्रिमंडल में जगह मिलने से क्षेत्र के विकास को भी तेजी से गति मिली हुई है।

विजय सिंह चौधरी नावा के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाने में रहे कामयाब

विजय सिंह चौधरी के पिता स्वर्गीय रामेश्वर लाल चौधरी चार बार कांग्रेस पार्टी से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे बार-बार उनके चुनाव जीतने के बाद भी कांग्रेस पार्टी इस सरकारों के मंत्रिमंडल में उन्हें जगह नहीं मिल पाई। इसके अलावा वर्ष 2023 से पहले भाजपा और कांग्रेस किसी भी पार्टी के नावा के विधायक को राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल में कभी भी जगह नहीं मिली लेकिन वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का गठन होने के बाद और भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान होने के बाद विजय सिंह को सरकार के मंत्रिमंडल में जगह मिली यह नावा के इतिहास में पहला मौका है जब यहां से चुने गए किसी विधायक को सरकार के मंत्रिमंडल में जगह मिली हो इसलिए विजय सिंह की यह उपलब्धि अपने आप में काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है । इसीलिए विजय सिंह चौधरी के निर्वाचन क्षेत्र का हर व्यक्ति आज खुद को काफी गौरवान्वित महसूस कर रहा है बड़ी बात यह है कि अगर किसी क्षेत्र का विधायक सरकार के मंत्रिमंडल का हिस्सा रहता है तो उसे अपने निर्वाचन क्षेत्र के किसी भी विकास कार्य के लिए किसी भी विभाग के मंत्री के पास ज्यादा भागदौड़ नहीं करनी पड़ती यह बड़ा फायदा होता है इसीलिए विजय सिंह पिछले सवा दो साल में अपने निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कार्य करवाने में सफल हुए, बताया गया है कि विजय सिंह के पिता स्वर्गीय रामेश्वर लाल चौधरी जहां कांग्रेस से चार बार विधायक रहे तो इसी सीट से हरिश्चंद्र कुमावत भी चार बार विधायक रहे लेकिन कुमावत को भी कभी राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली हालांकि एक बार वसुंधरा राजे सरकार के शासनकाल में कुमावत को शिल्पकला, माटी बोर्ड का अध्यक्ष जरूर बनाया गया था लेकिन सीधे तौर पर उन्हें कैबिनेट मंत्री या राज्य मंत्री नहीं बनाया गया यह सम्मान और उपलब्धि अब तक वर्तमान विधायक विजय सिंह के अकाउंट में ही दर्ज हुई है।

विजय सिंह जैसे सक्रिय भाजपा नेताओं की वजह से नागौर जिले में भाजपा लगातार हो रही मजबूत

इसमें कोई संदेह नहीं राजस्थान स्टेट के गठन के बाद से ही राजस्थान की राजनीति में नागौर जिले का जबरदस्त प्रभाव रहा है और यह भी सत्य है कि नागौर जिले में कांग्रेस पार्टी का सालों तक जबरदस्त वर्चस्व और प्रभाव रहा लेकिन अब हालात काफी बदल चुके हैं नागौर जिला जो पहले सालों तक कांग्रेस पार्टी का बड़ा किला माना जाता था अब मामला बिल्कुल उलट होता जा रहा है । एक तरफ जहां कांग्रेस पार्टी के जिले के कई बड़े नेता कांग्रेस पार्टी को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं तो दूसरी तरफ विजय सिंह चौधरी जैसे गतिशील और ऊर्जावान नेताओं की पॉलिटिकल गतिविधियां जिले में भाजपा के संगठन को मजबूती प्रदान करने में जबरदस्त भूमिका निभा रही है हालांकि नागौर जिले में भाजपा को अभी और मेहनत करने की जरूरत है क्योंकि जिले में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी भी खुद का प्रभाव जमाने की जबरदस्त कोशिश कर रही है इसलिए इन कठिन और चुनौती पूर्ण राजनीतिक हालातो में विजय सिंह जैसे नेताओं का क्षेत्र के लोगों से मजबूत जमीनी जुड़ाव और लोगों से निरंतर संवाद करने के भाव से जिले में भाजपा का माइक्रो मैनेजमेंट देखते ही बनता है जो कहीं ना कहीं जिले में भाजपा की जड़ों को लगातार मजबूत कर रहा है। विजय सिंह की बेटी सविता चौधरी कुचामन पंचायत समिति की वर्तमान में प्रधान हैं इससे पहले वर्ष 2011 से 2013 तक विजय सिंह भी इस पंचायत समिति के प्रधान रह चुके हैं । इसके अलावा विजय सिंह के दिवंगत पिता रामेश्वर लाल चौधरी भी इसी पंचायत समिति से पूर्व में प्रधान भी रह चुके हैं इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में विजय सिंह चौधरी और इनके परिवार की मजबूत और अच्छी राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि कहीं ना कहीं भाजपा के संगठन को मजबूती प्रदान करने में भी बड़ी भूमिका अदा कर रही है इसलिए राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि जिस तरह से पहले कई सालों तक नागौर जिले में कांग्रेस पार्टी का अच्छा प्रभाव रहा वैसा ही प्रभाव अब आने वाले दिनों में भाजपा का भी देखने को मिल सकता है अगर यहां कांग्रेस पार्टी के रणनीतिकारों ने अपनी रणनीति नहीं बदली और जिले में कांग्रेस जनों में बिखराव और मनमुटाव की स्थिति ऐसी ही बनी रही तो यहां कांग्रेस पार्टी को बुरा दौर देखने को मिल सकता है ।

भाजपा के संगठन को मजबूती देने के साथ साथ सरकार के कामकाज और योजनाओं का प्रचार प्रसार करने में है अव्वल

नागौर जिले की राजनीति को कवर करने वाले मीडिया जगत से जुड़े लोगों का भी कहना है कि जिस दिन से विजय सिंह ने भाजपा में कदम रखा है उस दिन से ही उन्होंने खुद को पूरी तरह से भाजपा के लिए समर्पित किया हुआ है। विजय सिंह की पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि काफी मजबूत रही है इनके पिता के नाम के साथ इनका नाम जुड़ा है इसलिए जाहिर तौर पर यह भी माना जा सकता है कि भले ही इनके पिता सालों तक कांग्रेस पार्टी के विधायक रहे हो लेकिन इनके पिता के निधन के बाद जिस तरह से कांग्रेस पार्टी ने इनके परिवार से पूरी तरह से मुंह मोड़ लिया तो कांग्रेस के रणनीतिकारों का यह व्यवहार इस क्षेत्र के उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी अच्छा नहीं लगा जो सालों से स्वर्गीय रामेश्वर लाल चौधरी के साथ जुड़कर कांग्रेस को मजबूती दे रहे थे ऐसे कांग्रेसी और क्षेत्र के लोगों का विजय सिंह को पूरा सपोर्ट मिला, इन्हीं लोगों की सलाह और सुझाव पर विजय सिंह ने भाजपा को ज्वाइन किया था । अब विजय सिंह भाजपा को ही अपनी मातृभूमि और कर्मभूमि मानकर समर्पित भाव से सेवा कर रहे हैं और पार्टी के छोटे बड़े सभी कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी से जुड़ी हर छोटी बड़ी मीटिंग में हर हाल में अपनी उपस्थिति दिखाते हैं भले ही सरकार में मंत्री हो और काफी व्यस्त रहते हो लेकिन संगठन को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए हुए हैं इसीलिए जिले के पार्टी के संगठन से जुड़े छोटे-बड़े सभी नेताओं में इनका अच्छा सम्मान और प्रभाव है। साथ-साथ केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं और पिछले दो साल में भजनलाल सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों, बड़े-बड़े निर्णय तथा उपलब्धियां का अपने निर्वाचन क्षेत्र में लगातार खुद भी जन संवाद के माध्यम से प्रचार प्रसार करते रहते हैं इसके अलावा प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियां का प्रभावी तरीके से प्रचार प्रसार कर रहे हैं ।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट और ग्रामीण विकास रथ कार्यक्रम को लेकर भी काफी गंभीर विजय सिंह चौधरी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एक तरफ देश में जगह-जगह जाकर ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन करके राजस्थान में कृषक और खेती के विकास और कल्याण का एक नया अध्याय लिखने जा रहे हैं तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान सरकार के सभी मंत्रियों पार्टी के विधायकों सांसदों और जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी के संगठन से जुड़े लोगों को भी पूरे प्रदेश में सरकार की ओर से संचालित की जा रही ग्राम विकास रथ यात्रा को शानदार और सफलतापूर्वक तरीके से संपादित करने के लिए निर्देशित किया हुआ है इसी क्रम में राज्य मंत्री होने के नाते विजय सिंह चौधरी भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कहीं अनुसार ग्लोबल राजस्थान एग्रोटेक मीट आयोजन तथा राजस्थान के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सरकार की ओर से निकाली जा रही ग्रामीण विकास रथ यात्रा के सफलतापूर्वक संपादन के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं इसके लिए ग्रामीण विकास रथ यात्रा संपूर्ण नावा विधानसभा क्षेत्र के संपूर्ण इलाके को कवर करें इस बाबत विजय सिंह चौधरी पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन और रथ यात्रा कार्यक्रम आयोजन से जुड़े लोगों से लगातार संवाद करके ग्रामीण विकास रथ यात्रा का रूट निर्धारित किया है ताकि विधानसभा क्षेत्र के सभी लोगों और किसानों को सरकार की ओर से संपादित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के अलावा कृषि और खेती के क्षेत्र में सरकार की ओर से किया जा रहे नवाचार आधुनिकरण इत्यादि के बारे में किसानों को अच्छी जानकारी मिल सके ताकि किसान अपना उत्पादन और अपनी इनकम को बढ़ा सके इस पूरे कार्यक्रम को लेकर विजय सिंह पिछले कुछ दिनों से हमेशा व्यस्त नजर आ रहे हैं इसके अलावा ग्लोबल राजस्थान एग्रीकेट मीट के सफल आयोजन को लेकर भी इलाके के किसानों को जागरूक कर रहे हैं चालू महीने में ही राजधानी जयपुर में आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण एग्री टेक मीट के बहुत अच्छे परिणाम सामने आएंगे जो प्रदेश की खेती और कृषक दोनों के विकास और उत्थान के लिए यह एग्रीटेक मीट काफी महत्वपूर्ण साबित होने वाली है इसीलिए इस कार्यक्रम को लेकर भी विजय सिंह चौधरी अपने निर्वाचन क्षेत्र के किसानों को ज्यादा से ज्यादा इस कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास में जुटे हुए हैं

कांग्रेस के महेंद्र चौधरी को पराजित करना था काफी चुनौती पूर्ण

राजनीतिक विश्लेषक भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में महेंद्र चौधरी को पराजित करना कोई मामूली नहीं था क्योंकि पिछली गहलोत सरकार में महेंद्र चौधरी मंत्रिमंडल में तो शामिल नहीं थे लेकिन उनकी भूमिका सरकार में कैबिनेट मंत्री की तरह ही थी विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के उप सचेतक जरूर थे लेकिन राजस्थान विधानसभा की कार्रवाई, सत्ता तथा संगठन हर जगह महेंद्र चौधरी का पूरे 5 साल तक काफी प्रभाव देखने को मिला इसके साथ साथ तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भी काफी करीबी और विश्वासपात्र नेता रहे इसलिए वर्ष 2023 का विधानसभा चुनाव जीतना विजय सिंह के लिए काफी चुनौती से भरा हुआ था लेकिन यह कोई पहला अवसर नहीं था जब उनका महेंद्र चौधरी से चुनाव में मुकाबला हो रहा हो इससे पहले 2013 की विधानसभा के चुनाव में भी विजय सिंह महेंद्र चौधरी को पराजित कर चुके थे इसलिए विजय सिंह को अपनी मेहनत, समर्पित भाव से लोगों की सेवा करने का भाव, क्षेत्र की जनता से अपना गहरा जुड़ाव और पूर्व में क्षेत्र का विधायक रहने के दौरान किए गए अपने उल्लेखनीय विकास कार्यों से यह पूरा विश्वास था कि उन्हें फिर से चुनाव में जीत मिलेगी उनका यह विश्वास क्षेत्र की जनता ने बनाए रखा और विजय सिंह भारी मतों के अंतर से चुनाव जीते, हालांकि उनकी इस शानदार जीत में उनके स्वर्गीय पिता की शानदार और मजबूत राजनीतिक पृष्ठभूमि की भी भूमिका रही इसके अलावा 2013 में विधायक रहने के दौरान इनकी ओर से क्षेत्र के विकास के लिए किए गए कार्यों को भी लोग याद कर रहे थे तो दूसरी तरफ कुचामन पंचायत समिति के प्रधान पद पर रहने के दौरान भी विजय सिंह ग्रामीण विकास और ग्राम पंचायत के समुचित विकास के लिए कड़ी मेहनत और प्रयास करते हुए दिखे थे इसी का परिणाम रहा कि उन्होंने 2023 के चुनाव में महेंद्र चौधरी को शिकस्त देने में कामयाबी मिली।

पिता से मिली राजनीतिक सीख ने विजय सिंह चौधरी को एक श्रेष्ठ और कुशल जनाधार वाला नेता बना दिया

राजस्थान विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान अपने अच्छे व्यवहार और कोऑपरेटिव नेचर से विजय सिंह चौधरी ने बड़ी संख्या में युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया था इसमें नागौर जिले के युवा भी बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान ही इनके साथ जुड़ गए थे जो आज तक कदम कदम पर इनका साथ दे रहे हैं । बाद में पढ़ाई के बाद अपने पिता के निधन के बाद जब इन्होंने राजनीति में कदम रखा तब भी शुरुआती दिनों में ही बड़ी संख्या में युवा इनके अच्छे व्यवहार से इनके साथ हमेशा खड़े रहे। विजय सिंह चौधरी ने बचपन से ही अपने स्वर्ग के पिता रामेश्वर चौधरी को जन सेवा के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते हुए देखा था। सुबह से लेकर देर रात तक अपने पिता को लोगों की सेवा करते हुए देखकर इननके दिल में भी अपने पिता की तरह लोगों की सेवा करने का भाव जाग उठा था इसीलिए जब भी मौका मिलता अपने पिता के साथ क्षेत्र के दौर में निकल जाते थे। इसलिए विजय सिंह के इस बेहतरीन व्यक्तित्व में इनके पिता से इन्हें मिला राजनीतिक सीख और पिता के आदर्श, सिद्धांतों और विचारों की अच्छी छाप देखने को मिलती है इसलिए आज विजय सिंह चौधरी अपने निर्वाचन क्षेत्र के हर जाति और बिरादरी के लोगों में अपने पिता की तरह काफी पॉपुलर और सम्मानित राजनेता बन चुके हैं । एक बहुत बड़ा जनाधार इनकी एक बहुत बड़ी राजनीतिक ताकत बन चुकी है जिसकी वजह से विजय सिंह चौधरी का खुद का पॉलिटिकल फ्यूचर हो तो चमक ही रहा है इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी के संगठन को भी जबरदस्त तरीके से नावा और जिले की अन्य विधानसभा क्षेत्र में जोरदार तरीके से गति मिली हुई है, भले ही वर्तमान में सरकार के मंत्री हो लेकिन अपने निर्वाचन क्षेत्र का लगातार भ्रमण करते रहते हैं लोगों से पहले की तरह लगातार मुलाकात करते रहते हैं अपने जयपुर के सरकारी निवास और अपने निर्वाचन क्षेत्र के निवास के दरवाजे 24 घंटे क्षेत्र के लोगों के लिए खुला रखते हैं । इनका स्टाफ क्षेत्र के लोगों का बहुत अच्छी तरह से वेलकम करता है और क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का निस्तारण करने में जुटा रहता है अगर विजय सिंह चौधरी किसी कारणवश घर पर नहीं भी होते हैं तब भी इनके निजी स्टाफ के लोग किसी भी व्यक्ति को दरवाजे से निराश होकर नहीं लौटने देते यही खासियत विजय सिंह चौधरी को लोगों में काफी पॉपुलर बनाए हुए हैं ।

बजट में नावां विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के लिए समुचित अच्छी राशि स्वीकृत करवाने में कामयाब रहे विजय सिंह

प्रदेश में अगर पिछले 2 साल के शासनकाल में अपनी पार्टी की सरकार से अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए हर बजट में ज्यादा से ज्यादा पैसा और ज्यादा से ज्यादा विकास योजनाएं मंजूर करवाने में विजय सिंह चौधरी काफी सफल रहे इसी का परिणाम है कि पिछले सवा दो साल में इन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, पुलिसिंग इत्यादि सभी क्षेत्रों में करोड़ों रुपए के विकास कार्य संपादित करवाए हैं । भजनलाल सरकार की ओर से अब तक राजस्थान विधानसभा में तीन बजट प्रस्तुत किए गए इन सभी बजट में विजय सिंह ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए ज्यादा से ज्यादा समुचित पैसा मंजूर करवाने में सफलता हासिल की इसके पीछे कुछ विशेष कारण है जिसकी वजह से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी नावा विधानसभा क्षेत्र पर विशेष मेहरबानी की है जिसमें एक वजह तो यह है कि विजय सिंह ने महेंद्र चौधरी जैसे नेता को भारी मतों के अंतर से पराजित किया।

इमानदार, कर्मठ और कड़ी मेहनत करने वाले मंत्री के रूप में विजय सिंह ने खुद को साबित किया

राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले विजय सिंह चौधरी काफी समझदार और अनुभवी राजनेता है अपने पिता की तरह ईमानदार और जनसेवा के कार्यों में हमेशा खुद को सबसे आगे रखते हैं इसलिए

इनकी ईमानदारी और समर्पित भाव से काम करने की हैबिट से सब परिचित हैं इसीलिए इनकी अच्छी पर्सनैलिटी और चुनाव में इनकी शानदार जीत को देखते हुए ही इन्हें भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल में जगह दी गई । विजय सिंह खुद भी यह अच्छी तरह से जानते हैं कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और दिल्ली में बैठे भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं ने काफी भरोसे और विश्वास के साथ इन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है इसके अलावा विजय सिंह यह भी जानते हैं कि वह पहले ऐसे नावां के विधायक हैं जिन्हें पहली बार राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल में जगह मिली है इसलिए वे वे अपनी इस जिम्मेदारी को भली-भांति समझते हैं इनके पास राजस्व, उपनिवेशन और सैनिक कल्याण विभाग की जिम्मेदारी राज्य मंत्री के रूप में है अब तक मंत्री के रूप में इनका परफॉर्मेंस बहुत ही शानदार रहा है और इन अपने इन विभागों के सीनियर मंत्री के साथ इनका बहुत ही अच्छा समन्वय और तालमेल बना हुआ है जिसके माध्यम से इन्हें अपने सीनियर मंत्री और मुख्यमंत्री की ओर से विभागों के संदर्भ में जो भी कार्य और जिम्मेदारी अब तक इन्हें दी गई है उन्हें बहुत ही शानदार तरीके से निभाया है । इसमें कोई संदेह नहीं एक मंत्री के रूप में इनके कार्यों और परफॉर्मेंस से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी काफी प्रभावित हैं इन्होंने खुद को एक सक्रिय मंत्री के रूप में पूरी तरह से स्थापित किया हुआ है बड़ी बात यह है कि विजय सिंह चौधरी अब तक दूसरी बार विधायक चुने गए हैं और पहली बार इस बार मंत्री के रूप में भी काम कर रहे हैं लेकिन इतने लंबे पीरियड में किसी ने भी इनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े नहीं किया, विधायक और मंत्री के रूप में इनका कार्यकाल अब तक पूरी तरह से बेदाग रहा है। वर्ष 2013 में जब मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे हुआ करती थी उस समय विजय सिंह चौधरी पहली बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे थे और अपनी पार्टी की सरकार होने का इन्होंने भरपूर फायदा उठाया था और जमकर अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्य करवाए लेकिन कभी भी किसी ने उनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े नहीं किया जो भी पैसा जिस भी योजना के लिए इनके निर्वाचन क्षेत्र में सरकार से स्वीकृत हुआ उस एक एक पैसे का इन्होंने सदुपयोग करवाया सरकार की ओर से अपने निर्वाचन क्षेत्र में संचालित हो रही विभिन्न तरह की विकास योजनाओं और विकास कार्यों काम मौके पर जाकर वर्ष 2013 में भी निरीक्षण किया करते थे और आज भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में हो रहे सभी विकास कार्यों का नियमित रूप से मौके पर जाकर निरीक्षण करते हैं ताकि अनियमितता और भ्रष्टाचार जैसी कोई गुंजाइश मौके पर पैदा ना हो इनका यही भाव और यही सोच इन्हें क्षेत्र के लोगों में एक ईमानदार मंत्री के रूप में प्रसिद्ध किया हुआ है ।

सम्पादकीय

दिल्ली में अपराधियों का बढ़ता दुस्साहस, क्या कमजोर पड़ रही कानून-व्यवस्था

देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था अन्य जगहों के मुकाबले ज्यादा चाक-चौबंद होगी और यहां अपराध को ज्यादा सक्षम तरीके से काबू में किया जाएगा। मगर समय-समय पर आने वाले अपराध के आंकड़ों में यही विडंबना सामने आती है कि दिल्ली में अपराधियों का दुस्साहस उफान पर है और उन पर पूरी तरह लगाम लगा पाना पुलिस-प्रशासन के लिए संभव नहीं हो सका है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दर्ज हुए आपराधिक मामलों के संदर्भ में देश के अन्य महानगरों की तुलना में दिल्ली की दशा ज्यादा खराब है। सवाल है कि हर स्तर पर कानून-व्यवस्था के पुख्ता होने के दावों के बावजूद स्थिति ऐसी क्यों है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की 'भारत में अपराध 2024' रिपोर्ट में यह उजागर हुआ है कि देश के उन्नीस महानगरों की तुलना में दिल्ली में सबसे ज्यादा संज्ञेय अपराधों के मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि पिछले दो वर्ष में अपराधों में गिरावट देखी गई है, इसके बावजूद एनसीआरबी के आंकड़े यही बताते हैं कि अपराध और अपराधियों पर काबू पाने में यहां की पुलिस को अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, देश के उन्नीस महानगरों में कुल पांच लाख तिरानबे हजार छियानबे मामले दर्ज हुए, जिनमें अकेले दिल्ली की भागीदारी छियालीस फीसद से ज्यादा रही। कहा जा सकता है कि देश के कुल महानगरों में जितने अपराध होते हैं, उनमें से हर दूसरा दिल्ली में दर्ज हुआ। हालांकि एनसीआरबी की मानें तो एक पहलू यह है कि जिन राज्यों में ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कराने की सुविधा है, वहां लोग जघन्य से लेकर छोटे-बड़े सभी अपराधों की शिकायतें आसानी से दर्ज करा सकते हैं। जिन राज्यों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां अपराध के आंकड़े तुलनात्मक रूप से कम दर्ज हो सकते हैं। यानी यह स्वीकार किया जा रहा है कि देश के कई हिस्सों में आज भी सुविधा न होने या फिर प्रक्रिया की जटिलता की वजह से बहुत सारे लोग पुलिस के पास अपनी शिकायत दर्ज नहीं कर पाते। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपराध के कितने पीड़ित इंसाफ का इंतजार करते रह जाते होंगे। इस लिहाज से देखें तो निश्चित तौर पर दिल्ली में एक तंत्र के काम करने के ढांचे में बेहतरी लाई गई है। मगर सवाल है कि अपराधों की रोकथाम के लिए सरकार और संबंधित महकमे क्या करते हैं। इसके अलावा, वक्त के साथ एक नई जटिलता यह पैदा हुई है कि रोजमर्रा की गतिविधियों के संदर्भ में जैसे-जैसे लोगों की निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर बढ़ रही है, अब अपराधियों की नजर उधर भी खिसक रही है। मसलन, खुद एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराधियों के गिरोह अब डिजिटल संसार में अपनी दखल बढ़ा रहे हैं। साइबर अपराधों में करीब अठारह फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें ऑनलाइन ठगी, 'डिजिटल अरेस्ट' और भयादोहन जैसे मामले सबसे ज्यादा देखे जा रहे हैं। यह हाल के वर्षों में उपजी नई चुनौती है, जिससे निपटना बेहद जरूरी है। महानगरों में सुविधाओं से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक सब कुछ अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर और दुरुस्त होने की उम्मीद की जाती है। उसमें भी अगर अपराध के मामले में दिल्ली कई महानगरों को पीछे छोड़ रही है, तो यह सोचने का वक्त है कि आखिर यहां सरकार, पुलिस और खुफिया तंत्र तथा अन्य एजेंसियों के बीच किस स्तर पर तालमेल और सक्रियता में कमी है, जिसमें तत्काल सुधार की जरूरत है।

मदर्स डे पर विशेष लेख

माँ केवल जन्म नहीं बल्कि अपने प्रेम से जीवन को अर्थ भी देती है

लेखक - अमन जैन

माँ यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि वह एहसास है जिसमें पूरी दुनिया का सुकून समाया होता है जिस प्रकार तपती दोपहर में किसी विशाल वृक्ष की ठंडी छाँव थके हुए राहगीर को राहत देती है उसी प्रकार माँ की ममता जीवन की हर कठिनाई में हमें शांति और सहारा देती है माँ की गोद वह पहली जगह होती है जहाँ इंसान बिना किसी डर बिना किसी स्वार्थ और बिना किसी शर्त के प्रेम को महसूस करता है माँ की छाँव में बैठकर ऐसा लगता है मानो समय ठहर गया हो उसकी बातें किसी मीठी धुन की तरह दिल को सुकून देती हैं माँ अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करती है वह अपनी इच्छाओं को भूलकर बच्चों के सपनों को पूरा करने में लग जाती है बच्चे की छोटी-सी खुशी के लिए वह हर दर्द सह लेती है कभी अपने आँसू नहीं दिखाती, लेकिन बच्चों की आँखों में आँसू आते ही उसका दिल रो उठता है माँ स्वयं भूखी रह सकती है, लेकिन अपने बच्चे को भूखा नहीं सोने देती उसका प्रेम किसी सौदे की तरह नहीं होता वह निस्वार्थ और पवित्र होता है इसीलिए संसार में माँ के प्रेम की तुलना किसी से नहीं की जा सकती जब माँ पास होती है तब हमें उसकी अहमियत का पूर्ण एहसास नहीं होता लेकिन जब उसकी छाँव सिर से हट जाती है तब जीवन की धूप बहुत तीखी लगने लगती है घर वही रहता है लोग वही रहते हैं, पर वह सुकून कहीं खो जाता है जो केवल माँ की उपस्थिति से मिलता था माँ की यादें जीवनभर इंसान का सहारा बनती हैं उसकी बातें, उसकी दुआएँ, उसका स्नेह सब कुछ दिल में हमेशा जीवित रहता है माँ की छाँव में जो सुकून मिला वो दुनिया के किसी कोने में नहीं मिला थककर जब भी गिरा मैं राहों में माँ का आँचल ही मुझे संभालता मिला उसके हाथों की खुशबू आज भी याद आती है हर दुआ में उसकी आवाज़ सुनाई देती है दुनिया की भीड़ में कितना भी अकेला हो जाऊँ माँ की ममता मुझे फिर जीना सिखा देती है माँ जीवन का वह अनमोल उपहार है जिसे शब्दों में पूरी तरह बाँधा नहीं जा सकता उसकी ममता ईश्वर का सबसे सुंदर रूप है माँ की छाँव में जो सुकून मिलता है, वह संसार की किसी दौलत, किसी शोहरत या किसी रिश्ते में नहीं मिल सकता माँ का प्रेम किसी नदी की तरह होता है जो निरंतर बहता रहता है उसमें कोई स्वार्थ नहीं होता, कोई अपेक्षा नहीं होती वह केवल देना जानती है क्योंकि माँ केवल जन्म नहीं देती, वह अपने प्रेम से जीवन को अर्थ भी देती है।

बंगाल में परिवर्तन के साथ पुनर्जागरण

आज जब बंगाल की चेतना और गौरव का अरुणोदय हो रहा है, तो यह समझने की आवश्यकता है कि बंगाल क्या है और उसकी चेतना का पुनर्जागरण किसे कहा जा सकता है? बंगाल सामाजिक चेतना का केंद्र होने से पहले ज्ञान और आध्यात्मिकता की पवित्र भूमि थी। 15वीं शताब्दी में नबद्वीप के गंगा तट पर एक युवा संन्यासी निमाई ने अपने कीर्तन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उस युवा संन्यासी को हम संत चैतन्य महाप्रभु के नाम से जानते हैं। उनके द्वारा दिखाया गया भक्ति मार्ग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का अभियान भी था। उनके द्वारा प्रवाहित वैष्णव परंपरा ने समाज में करुणा, समावेशिता, समता और सद्भावना को बल दिया। यही चेतना बाउल परंपरा में भी दिखाई दी। बाउल परंपरा के फकीरों की पहचान जाति, पंथ या कोई ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता की भावना थी। बाउल परंपरा के सबसे महान प्रवर्तक लालन फकीर थे। वे किस संप्रदाय से थे, यह कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा। उन्होंने हिंदू समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था का भी विरोध किया तथा मुस्लिम समाज में होने वाले भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। वे बंगाल की उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे, जिसमें सहिष्णुता और सह-अस्तित्व का भाव समाहित था।

विगत तीन शताब्दियों में बंगाल और यहां के लोगों ने केवल भारत के सामाजिक नवजागरण

'हे नूतन, देखा दिक आर-बार, जन्मेरो प्रथम शुभोखोन।' इसका अर्थ है-हे नवीन, एक बार फिर से सामने आओ, ठीक उसी तरह जैसे जन्म के समय वह पहला शुभ क्षण आया था। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की यह पंक्तियां केवल एक कविता का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि समय-समय पर स्वतःस्फूर्त और नवीन होने वाली बंगाल के आत्मा का आह्वान भी हैं। गुरुदेव भली-भांति समझते थे कि बंगाल समय के साथ केवल बदलता नहीं है, बल्कि वह बार-बार बेहतर और नए रूप में पल्लवित होता है।

गुरुदेव की जयंती पर गाई जाने वाली यह कविता नवजागरण और नवचेतना की प्रतीक है। यह एक सुखद संयोग है कि टैगोर की 165वीं जयंती से कुछ दिन पहले ही बंगाल कई दशकों के बाद नवजागरण का साक्षी बना। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनाव कभी सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं था। यह चुनाव इस महान भूमि के खोए हुए गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक अवसर था-एक ऐसा सभ्यतागत आह्वान, जो चुनावी समीकरणों और गणनाओं से कहीं ऊपर है।

आज जब बंगाल की चेतना और गौरव का अरुणोदय हो रहा है, तो यह समझने की आवश्यकता है कि बंगाल क्या है और उसकी चेतना का पुनर्जागरण किसे कहा जा सकता है? बंगाल सामाजिक चेतना का केंद्र होने से पहले ज्ञान और आध्यात्मिकता की पवित्र भूमि थी। 15वीं शताब्दी में नबद्वीप के गंगा तट पर एक युवा संन्यासी निमाई ने अपने कीर्तन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उस युवा संन्यासी को हम संत चैतन्य महाप्रभु के नाम से जानते हैं। उनके द्वारा दिखाया गया भक्ति मार्ग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का अभियान भी था। उनके द्वारा प्रवाहित वैष्णव परंपरा ने समाज में करुणा, समावेशिता, समता और सद्भावना को बल दिया। यही चेतना बाउल परंपरा में भी दिखाई दी। बाउल परंपरा के फकीरों की पहचान जाति, पंथ या कोई ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता की भावना थी। बाउल परंपरा के सबसे महान प्रवर्तक लालन फकीर थे। वे किस संप्रदाय से थे, यह कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा। उन्होंने हिंदू समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था का भी विरोध किया तथा मुस्लिम समाज में होने वाले भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। वे बंगाल की उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे, जिसमें सहिष्णुता और सह-अस्तित्व का भाव समाहित था। विगत तीन शताब्दियों में बंगाल और यहां के लोगों ने केवल भारत के सामाजिक नवजागरण आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, बल्कि उसका नेतृत्व भी किया। राजा राममोहन राय ने लोगों को आत्मबोध कराकर समाज को भीतर से सुधारने का मार्ग चुना। सती प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल समाज सुधार से जुड़ा आंदोलन नहीं था, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनर्जीवित करने का एक तप था। इसी तरह ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने शिक्षा को नारी शक्ति के उत्थान, सशक्तिकरण और मुक्ति का साधन बनाया। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 'वंदे मातरम्' जैसा अमर मंत्र राष्ट्र को दिया। इस गीत ने ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को बल दिया और सदियों से सोए हुए देश को जगा दिया। यह गीत आज भी भारत के लोगों के अंतरात्मा का स्वर है। भारत की पहली महिला चिकित्सक डा. कादंबिनी गांगुली ने सभी को और विशेषकर महिलाओं को प्रेरित किया। बंगाल की ही धरती पर जन्मे प्रखर राष्ट्रवादी डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। संभवतः बंगाल की धरती ने जितनी विलक्षण प्रतिभाओं और महान लोगों को जन्म दिया, उनमें सबसे देदीप्यमान और प्रबुद्ध स्वामी विवेकानंद को कहा जा सकता है। शिकागो में दिया गया उनका भाषण इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने विश्व को वेदांत और भारत के महान सभ्यतागत मूल्यों से परिचित कराया। दुर्भाग्यवश लंबे समय तक बंगाल के कुछ बुद्धिजीवियों और राजनीतिक वर्गों ने अपनी ही सांस्कृतिक विरासत को बोझ समझा और उसे हेय दृष्टि से देखा। सभ्यता, धर्म, संस्कृति और बंगाल की चेतना की बात करने वाले लोगों को और उनकी आवाज को दबाया गया। परिणामस्वरूप बंगाल ने दशकों तक विकासहीनता, अराजकता, संस्थागत पतन और वैचारिक जड़ता का दंश झेला।

बंगाल में हुआ परिवर्तन सिर्फ राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं हैं, बल्कि यह ऐसे लोगों के खिलाफ जनादेश भी है, जिन्होंने बंगाल को उसके मूल से दूर किया। प्रधानमंत्री मोदी के लिए बंगाल विधानसभा का चुनाव सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि बंगाल के गौरव और विरासत को पुनर्स्थापित करने का यज्ञ था। बेलूर मठ से प्रधानमंत्री मोदी का आत्मिक जुड़ाव, स्वामी विवेकानंद के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा और सुशासन को 'सेवा' के रूप में देखने का उनका दृष्टिकोण, ये सभी इसके प्रमाण हैं कि 'प्रधान सेवक' बंगाल के विकास और पुनर्जागरण को एक पावन दायित्व मानते हैं, जिसे वे अपने 'प्रधान धर्म' और 'प्रधान कर्म' के रूप में निभा रहे हैं। बंगाल के विकास और पुनर्निर्माण का अर्थ कई दशकों से उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण हो चुके इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण तो है ही, साथ ही उन घाटों को पुनर्जीवित करना भी है, जहां चैतन्य महाप्रभु के कीर्तन ने लोगों को भाव-विभोर किया था। इसका अर्थ उन शैक्षणिक संस्थानों को सशक्त करना भी है, जिनका स्वप्न ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने देखा था।

सरकार और देश में अंतर करना आवश्यक

सरकार की नीतियों, निर्णयों और कार्यशैली पर सवाल उठाना, उनका विश्लेषण करना और आवश्यकतानुसार उनका विरोध करना सक्रिय नागरिकता के अनिवार्य तत्व हैं। यदि यह प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, तो सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ता है और जवाबदेही कम होती जाती है। जब-जब सरकार और राष्ट्र को एक मान लिया गया, तब-तब लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुईं, नागरिक अधिकारों पर आघात हुआ और तानाशाही प्रवृत्तियां पनपीं। किसी भी उच्च पदस्थ नेता की गरिमा और प्रतिष्ठा निस्संदेह महत्वपूर्ण होती है, लेकिन उसे राष्ट्र की गरिमा का पर्याय बना देना एक खतरनाक सरलीकरण है। राष्ट्र की प्रतिष्ठा किसी एक व्यक्ति की छवि पर नहीं, बल्कि उसके संस्थानों की मजबूती, नागरिकों की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और समाज की समावेशी संरचना पर निर्भर करती है। जब हम किसी नेता

लोकतंत्र की सबसे बुनियादी सच्चाइयों में से एक यह है कि देश और सरकार एक ही इकाई नहीं होते। यह फर्क केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक स्वास्थ्य का मूल आधार है। देश एक जीवंत, बहुस्तरीय और निरंतर विकसित होने वाली सामूहिक चेतना है और उसकी विविधताओं, संघर्षों, इतिहास, आकांक्षाओं और भविष्य का समुच्चय होता है। इसके विपरीत, सरकार एक अस्थायी व्यवस्था है, जिसे जनता समय-समय पर चुनती है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, पर देश बना रहता है। इस सरल-सी प्रतीत होने वाली सच्चाई को धुंधला करना, लोकतंत्र के आत्मा को कमजोर करना है।

समस्या तब उत्पन्न होती है, जब सत्ताधारी दल अपने राजनीतिक हितों को राष्ट्रहित के रूप में प्रस्तुत करने लगता है। यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन आज के दौर में इसका स्वर अधिक मुखर और आक्रामक हो गया है। सरकार की आलोचना को देश की आलोचना के रूप में चित्रित करना, असहमति को राष्ट्रद्रोह के साथ जोड़ देना और किसी एक नेता की छवि को राष्ट्र की गरिमा के साथ मिला देना, ये सभी प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक विमर्श को सीमित करने के औजार हैं। इससे नागरिकों पर दबाव पैदा होता है कि वे सवाल उठाने से बचें, अन्यथा उन्हें 'देश-विरोधी' ठहरा दिया जाएगा। किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में आलोचना केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों का कर्तव्य भी होती है। सरकार की नीतियों, निर्णयों और कार्यशैली पर सवाल उठाना, उनका विश्लेषण करना और आवश्यकतानुसार उनका विरोध करना सक्रिय नागरिकता के अनिवार्य तत्व हैं। यदि यह प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, तो सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ता है और जवाबदेही कम होती जाती है। जब-जब सरकार और राष्ट्र को एक मान लिया गया, तब-तब लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुईं, नागरिक अधिकारों पर आघात हुआ और तानाशाही प्रवृत्तियां पनपीं। किसी भी उच्च पदस्थ नेता की गरिमा और प्रतिष्ठा निस्संदेह महत्वपूर्ण होती है, लेकिन उसे राष्ट्र की गरिमा का पर्याय बना देना एक खतरनाक सरलीकरण है। राष्ट्र की प्रतिष्ठा किसी एक व्यक्ति की छवि पर नहीं, बल्कि उसके संस्थानों की मजबूती, नागरिकों की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और समाज की समावेशी संरचना पर निर्भर करती है। जब हम किसी नेता की आलोचना को राष्ट्र के अपमान के रूप में देखने लगते हैं, तो हम अनजाने में लोकतंत्र के उस संतुलन को बिगाड़ देते हैं, जो संस्थाओं और व्यक्तियों के बीच स्थापित होना चाहिए। यह याद रखना प्रासंगिक है कि लोकतंत्र में संस्थाएं व्यक्तियों से बड़ी होती हैं। व्यक्ति-पूजा का यह चलन धीरे-धीरे संस्थागत ढांचे को कमजोर करता है और लोकतंत्र को एक व्यक्ति-केंद्रित व्यवस्था में बदलने का खतरा पैदा करता है। सत्ताधारी दल का हित और राष्ट्रहित भी हमेशा एक जैसे नहीं होते। हर दल स्वाभाविक रूप से अपने विस्तार, प्रभाव और चुनावी सफलता के लिए काम करता है और यह लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा है, लेकिन जब इन हितों को राष्ट्रहित के रूप में प्रस्तुत किया जाता है और विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास होता है, तब समस्या पैदा होती है। इससे नीति-निर्माण में विविध दृष्टिकोणों की गुंजाइश कम हो जाती है और निर्णय एकतरफा हो सकते हैं। लोकतंत्र का सार ही यह है कि विभिन्न विचारों के बीच संवाद हो और उसी से नीतियों का निर्माण हो। इस बहस में सबसे केंद्रीय भूमिका नागरिक की है। लोकतंत्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सवाल पूछना, जानकारी जुटाना, नीतियों का मूल्यांकन करना और अपनी स्वतंत्र राय बनाना, ये सभी लोकतांत्रिक नागरिकता के आवश्यक तत्व हैं। यदि नागरिक इस जिम्मेदारी से पीछे हटते हैं, तो सत्ता का असंतुलन बढ़ता है और लोकतंत्र कमजोर पड़ने लगता है। यह भी समझना जरूरी है कि आलोचना का अर्थ विरोध या नकारात्मकता नहीं होता। रचनात्मक आलोचना वह प्रक्रिया है

विपक्षी गठबंधन में दरार

तमिलनाडु में अभिनेता जोसेफ विजय की नई बनी पार्टी टीवीके के सबसे बड़े दल के रूप में उभरते ही कांग्रेस ने जिस तरह उसके साथ जाने के संकेत दिए और फिर बिना किसी संकोच ऐसा ही किया, उससे डीएमके का क्रुद्ध होना स्वाभाविक है। डीएमके नेताओं ने कांग्रेस के छिटकने को केवल धोखेबाजी ही नहीं बताया, बल्कि यह भी फैसला किया कि अब संसद में उसके सांसद कांग्रेस सांसदों के साथ नहीं बैठेंगे। यह आईएनडीआईए से नाता तोड़ने की घोषणा ही है। कांग्रेस की तरह डीएमके संग मिलकर चुनाव लड़ने वाली माकपा, भाकपा और वीसीके नामक दल ने भी जिस प्रकार विजय के साथ जाना पसंद किया, वह अवसरवाद के अलावा और कुछ नहीं। चूंकि अब माकपा और भाकपा की कोई खास राजनीतिक अहमियत नहीं, इसलिए उनके डीएमके से अलग होने का कोई अधिक महत्व नहीं, लेकिन कांग्रेस का अलगाव विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए को और अधिक कमजोर करने वाला है। यह एक तथ्य है कि आईएनडीआईए से छिटकने वाले दलों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। पहले जदयू अलग हुआ, फिर आम आदमी पार्टी। अब एक तरह से कांग्रेस ही उससे किनारा कर रही है। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि वे चुनाव से पहले ही टीवीके के साथ जाने पर विचार रहे थे, लेकिन यह कथित विचार उन्हें चुनाव बाद गठबंधन तोड़ने का लाइसेंस नहीं देता। आखिर राजनीतिक नैतिकता और गठबंधन धर्म नाम की कोई चीज है या नहीं? आने वाले समय में आईएनडीआईए के बिखरने की आशंका इसलिए और बढ़ गई है, क्योंकि अन्य राज्यों में कांग्रेस की घटक दलों से खटपट होती रहती है, जैसे महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना से। यह भी ध्यान रहे कि हाल के विधानसभा चुनावों में बंगाल और केरलम में इस गठबंधन के घटक आमने-सामने ही थे। इस नतीजे पर पहुंचने के पर्याप्त कारण हैं कि कांग्रेस को उसी गठबंधन के भविष्य की परवाह नहीं, जिसका नेतृत्व वह अपने हाथ रखना चाहती है। पहले भी इस गठबंधन का भविष्य बहुत उज्ज्वल नहीं दिख रहा था, पर अब तो वह और स्याह दिखने लगा है। डीएमके संग चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सत्ता की मलाई खाने जिस तरह एक झटके में टीवीके के साथ चली गई

प्रादेशिक जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
10 मई, 2026

ग्वालियर में महाराणा प्रताप जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पीतांबरा भक्त मंडल धौलपुर की ओर से शनिवार को ग्वालियर के गोला का मंदिर चौराहे पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन राज बहादुर सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ ही नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान की शान थे। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए कठिन संघर्ष किया और विदेशी दासता के आगे कभी झुकना स्वीकार नहीं किया। उनका साहस, त्याग और स्वाभिमान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। पूर्व प्रबंधक पीएनबी अश्वनी श्रीवास्तव ने कहा कि महाराणा प्रताप राजस्थान की आन-बान और शान थे। उनके त्याग, वीरता और राष्ट्रप्रेम की गाथाएं पीढ़ियों तक याद की जाती रहेंगी। कार्यक्रम में पीतांबरा भक्त मंडल के चंद्रकांत सक्सेना, राजकुमार शर्मा, मुकेश सक्सेना, लोकेंद्र सिंह, बाबू बंसल, राम त्रिवेदी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर बदलने के दौरान बड़ा हादसा, गिरकर टूटा नया ट्रांसफार्मर

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। भीषण गर्मी के बीच कस्बे के वेयर हाउस क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से बिजली संकट बना हुआ है। खराब हुए पुराने ट्रांसफार्मर की जगह नया 250 केवीए ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा था, लेकिन क्रेन से उतारते समय संतुलन बिगड़ने से ट्रांसफार्मर नीचे गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। क्षेत्र में लंबे समय से कम वोल्टेज और ओवरलोड की समस्या बनी हुई थी। बिजली बंद रहने से पानी सप्लाई भी प्रभावित हो गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। विद्युत विभाग के सहायक अभियंता अनुज शर्मा ने बताया कि जल्द नया ट्रांसफार्मर मंगवाकर बिजली व्यवस्था बहाल की जाएगी।

हर घर जल का दावा निकला खोखला,7-8 दिन में जलापूर्ति

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस)। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा प्रत्याशी व वर्तमान सांसद राव राजेंद्र सिंह ने जनता से वादा किया था कि 'हर घर में नल और नल में जल होगा '। आमजन ने भरोसा कर उन्हें वोट दिए और भारी समर्थन देकर संसद तक पहुंचाया। लेकिन चुनाव जीतने के बाद कस्बे के हालात बदतर होते नजर आ रहे हैं। कस्बे में 7 से 8 दिन के अंतराल में जलापूर्ति हो रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। आमजन का कहना है कि गहलोत राज में कम से कम एक दिन छोड़कर एक दिन पानी की आपूर्ति हो रही थी, लेकिन अब तो हालात और भी बदतर हो गए हैं। लोगों का आरोप है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए गए, मगर अब न तो नलों में पानी है और न ही जिम्मेदार जवाब देने को तैयार हैं। जनता का कहना है कि विकास और पानी के नाम पर केवल वोट लिए गए, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि पानी की गंभीर समस्या और अधूरे वादों का असर आने वाले नगर पालिका चुनाव में भी साफ देखने को मिलेगा।

जयपुर के श्रवण लाल जाट बने राजस्थान प्रदेश महासचिव

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस)। अंबेडकर समाज पार्टी ने राजस्थान में अपने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नियुक्तियां शुरू कर दी हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज सिंह ने जयपुर जिले के आमेर निवासी श्रवणलाल जाट को राजस्थान प्रदेश का महासचिव मनोनीत किया है। पार्टी की ओर से जारी मनोनयन पत्र के अनुसार, श्रवण लाल जाट की भारतीय संविधान के प्रति अटूट निष्ठा और समाज के गरीब, पीड़ित, विशेषकर दलित व मुस्लिम समुदायों के उत्थान के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मैक्स पिकअप में ठूंसकर ले जाए जा रहे 11 पशु मुक्त, दो तस्कर गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले में अवैध पशु परिवहन और कट्टीखाने ले जाए जा रहे पशुओं के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक मैक्स पिकअप वाहन से 11 पशुओं को मुक्त कराया तथा वाहन को जब्त कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल कुमार एवं वृत्ताधिकारी नरेन्द्र मीणा के सुपरविजन में आंगई थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। थानाधिकारी कृपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 8 मई को आंगई बाईपास पर नाकाबंदी के दौरान एक मैक्स पिकअप को रुकवाया। जांच में वाहन में पशुओं को क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर ले जाया जाना पाया गया। पुलिस ने मौके से आरोपी साहिद और सोहिल को गिरफ्तार कर लिया तथा 11 पशुओं को मुक्त कराया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस एवं पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 250 प्रकरणों का निस्तारण 61,63,000/- रुपयों का अवार्ड पारित

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) माधवी दिनकर, जयपुर जिला के निर्देशानुसार इस साल की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को न्यायालय परिसर, सांभर लेक में अपर जिला व सेशन न्यायाधीश, क्र.सं. 1, अरविन्द कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना अधिकरण के 10 प्रकरणों में राजीनामा से फैसला दिया गया। ए.डी.जे.-1, जांगिड़ ने विभिन्न वित्तिय संस्थानों के प्री लिटिगेशन प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई की। सचिव तालुका विधिक सेवा समिति रणजीत सिंह राठौड़ ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए सांभर लेक न्याय क्षेत्र में अवस्थित न्यायालयों के लिए अलग अलग बैंचों का गठन किया गया। प्रथम बैंच नंबर 10 न्यायालय अपर जिला व सेशन न्यायाधीश क्र.सं.1 व क्र. सं. 2 के प्रकरणों व प्री लिटिगेशन के प्रकरणों के लिए गठित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता ए.डी.जे. 1, अरविन्द कुमार जांगिड़ ने की व सदस्य अधिवक्ता राहुल वीर रहे। न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सांभर लेक, सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट, ग्राम न्यायालय के प्रकरणों व राजस्व प्रकरण, सांभर लेक के लिए गठित बेंच की अध्यक्षता जयश्री लमोरिया, सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट, सांभर लेक ने की। राजस्व अधिकारी ऋषिराज कपिल, सांभर लेक , अधिवक्ता रतन लाल चौधरी सदस्य उपस्थित रहे। सांभरलेक मुख्यालय पर आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत में 250 प्रकरणों का आपसी राजीनामा के जरिए निस्तारण किया गया। लिगल एड असिस्टेंट चान्दमल सांभरिया ने बताया कि मोटर वाहन दुर्घटना अधिकरण के मामलों में लोक अदालत की ओर से 57,05,000/- रुपये का अवार्ड पारित किया गया। इसके अलावा 6 प्री लिटिगेशन के मामलों में 4,58,000/- दोनों मिलाकर कुल 61,63,000/- अक्षरें (इगसठ लाख तरेसठ हजार रुपए) के अवार्ड पारित किए गए। पारिवारिक प्रकरणों में से एक प्रकरण में लोक अदालत बैंच की समझाइश के पश्चात अलग अलग रह रहे दम्पति एक साथ रहने को राजी होकर बैंच के समक्ष दोनों ने एक दुसरे को पुनः एक साथ रहने को सहमत हुए तथा विभाजन के विवाद के लिए न्यायालय में चल रहे वाद का लोक अदालत में निस्तारण किया गया। इस अवसर पर बार संघ सचिव प्रेम चंद भेहडा, अधिवक्ता जितेन्द्र दाधिच, योगेश शुक्ला, रामपाल चावला, ललित कुमार शर्मा, सुरेंद्र परिहार, तेजपाल प्रजापत, मुकेश अजमेरा, सुरेश शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारिगण, प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

ग्राम रथ पहुंचा बागावास अहिरान, किसानों व महिलाओं को दी योजनाओं की जानकारी

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निस)। क्षेत्र के रघुनाथपुरा लाखावाला, जयसिंहपुरा, बागावास अहिरान गांवों में शनिवार को सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए ग्राम रथ अभियान चलाया गया। रथ प्रभारी लालाराम के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इनमें ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया के बारे में बताया गया। सहायक कृषि अधिकारी मदन गुर्जर ने किसानों को फसल बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, ड्रिप सिंचाई योजना और पशुपालन विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। महिलाओं को उज्ज्वला योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना और स्वरोजगार योजनाओं के बारे में बताया गया। ग्राम रथ में लगी एलईडी स्क्रीन और ऑडियो संदेशों के जरिए भी जानकारी प्रसारित की गई। ग्रामीणों ने योजनाओं से जुड़े सवाल पूछे। अधिकारियों ने मौके पर जवाब देकर शंकाओं का समाधान किया। इस दौरान विराटनगर तहसीलदार लालाराम यादव, अतिरिक्त विकास अधिकारी मूलचंद मीणा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी प्रकाश चंद्र वर्मा, सरपंच प्रशासक प्रतिनिधि रामेश्वर यादव, वीडीओ विष्णु कुमार मीणा, कृषि पर्यवेक्षक श्रवण शर्मा, कनिष्ठ सहायक महेंद्र कुमार रेगर सहित ग्रामीण विकास यादव, गेंदालाल यादव, रामजीलाल यादव, नब्बू खान, राजेंद्र मीणा, रामनिवास यादव, रतन सिंह, मीरा कंवर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप के बोर्ड से छेड़छाड़ पर करणी सेना का विरोध, प्रशासन ने दोबारा लगवाया बोर्ड

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजाखेड़ा कस्बे के समीप सिकरौदा मोड़ पर लगे महाराणा प्रताप के बोर्ड के साथ असामाजिक तत्वों की ओर से छेड़छाड़ किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनने लगी, लेकिन प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए हालात को नियंत्रित कर लिया।

जानकारी के अनुसार महाराणा प्रताप जयंती के दिन अज्ञात लोगों ने सिकरौदा मोड़ पर पिछले करीब पांच वर्षों से लगे बोर्ड को उखाड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के विरोध में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के पदाधिकारियों एवं युवाओं ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि इस प्रकार की घटना पूर्व में भी दो-तीन बार हो चुकी है, जिससे सामाजिक सौहार्द और शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। युवाओं ने मौके पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी मांग की। मामले की सूचना मिलने पर आईपीएस राहुल कुमार, सीओ रामधन साड़ीवाल एवं राजाखेड़ा थाना अधिकारी गंभीर सिंह कसाना मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन ने नगर पालिका की सहायता से महाराणा प्रताप के बोर्ड को तत्काल पुनः स्थापित करवाया। अधिकारियों ने करणी सेना एवं समाज के युवाओं से शांति बनाए रखने की अपील की, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

108 कुंडीय श्रीराम मारुति महायज्ञ में करीब 7 लाख 25 हजार आहुतियां दी

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निस)। बजरंगपुरा स्थित झिंडा के बालाजी मंदिर में नीलका धाम महामंडलेश्वर रामदासजी महाराज और बालाजी मंदिर महंत सांवरमल व्यास के सानिध्य में आयोजित नौ दिवसीय 108 कुंडीय श्रीराम मारुति महायज्ञ में शनिवार को श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। महायज्ञ के दौरान यज्ञाचार्यों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन कुंडों में हजार आहुतियां अर्पित कर धर्म, संस्कृति और मानव कल्याण की कामना की गई। आचार्य पीठाधीश डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा के निर्देशन में यजमानों ने विधि-विधान से आहुतियां दीं। पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा और जय श्रीराम के जयकारों से माहौल गूंज उठा। महायज्ञ के साथ चल रहे श्रीराम कथा महोत्सव में कथावाचक रणवीर शास्त्री ने भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़ा प्रसंग सुनाया।कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए और पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा।

भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़:
महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है। शनिवार को करीब 40 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। भोजन की व्यवस्था में ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर माहौल को भक्तिमय बनाया, वहीं युवाओं ने सेवा कार्य संभाला। आयोजन स्थल पर सुरक्षा, पेयजल और अन्य सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। पार्किंग झांकियां, भजन संध्या और संतों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बालाजी मंदिर के पुजारी सांवरमल शर्मा ने बताया कि महायज्ञ का उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना, संस्कार और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना है। महामंडलेश्वर रामदासजी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में यज्ञ का विशेष महत्व बताया गया है। महायज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है और क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म और संस्कृति के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस दौरान बजरंग युवा उत्थान समिति सहित हीरामल बाबा समिति ने सेवा कार्य में बढ़कर चढ़कर हिस्सा लिया।

फिटनेस विहीन आधा दर्जन स्कूल बसों पर कार्रवाई, चार वाहन सीज

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिला परिवहन व सड़क सुरक्षा विभाग ने निजी स्कूल वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाते हुए फिटनेस विहीन बाल वाहिनियों पर बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान आधा दर्जन स्कूल वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार बसों को सीज किया गया। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी एवं जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत परिवहन विभाग की टीम ने विभिन्न निजी विद्यालयों की बसों की जांच की। जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव ने बताया कि कई विद्यालय संचालक वाहनों की नियमित फिटनेस नहीं करा रहे हैं तथा यातायात नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। परिवहन निरीक्षक दीपक शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान कई बसों में फिटनेस प्रमाण पत्र और परमिट संबंधी कमियां मिलीं। कुछ वाहनों की स्थिति भी खराब पाई गई। विभाग की ओर से पहले विद्यालय संचालकों को सुधार के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं किए गए। कार्रवाई के दौरान एवीएम विद्यालय सहित कई स्कूलों की बसों की जांच की गई। विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को केवल उन्हीं स्कूल वाहनों से भेजें जिनकी फिटनेस एवं सुरक्षा मानक पूरे हों। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

5 साल से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार, सांभरलेक पुलिस की बड़ी कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। जयपुर ग्रामीण पुलिस के विशेष अभियान के तहत सांभरलेक थाना पुलिस ने पांच साल से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने चैक अनादरण (एनआई एक्ट) के मामले में लंबे समय से फरार आरोपी को दबिश देकर हिरासत में लिया। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण आईपीएस हनुमान प्रसाद ने बताया कि राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर संगीन और गंभीर अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा एवं वृत्ताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में थाना अधिकारी राममिलन पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम ने आसूचना संकलन और तकनीकी सहायता के आधार पर कार्रवाई करते हुए चैक अनादरण के प्रकरण संख्या 281/19, धारा 138 एनआई एक्ट में करीब पांच वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी नंदाराम पुत्र भैरूराम जाट निवासी न्योदा थाना सांभरलेक को गिरफ्तार किया।

1.764 किलो डोडा छिलका पकड़ा, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

मनोहरपुर(निस)। जयपुर ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एंटी वेनम 3.0 अभियान के तहत मनोहरपुर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.764 किलोग्राम डोडा छिलका बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त कार एक्सयूवी 300 को भी जब्त किया है। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज राहुल प्रकाश के निर्देश पर जिलेभर में नशा तस्करों, सप्लायर्स और उपभोक्ताओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह तथा वृत्ताधिकारी रामवतार ताखर के सुपरविजन में मनोहरपुर थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह और शाहपुरा थाना प्रभारी कुंवर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने 8 मई को हाईवे क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास संदिग्ध वाहनों की जांच के दौरान एक एक्सयूवी 300 कार को रुकवाकर तलाशी ली। कार की डिग्गी में चार प्लास्टिक की थैलियों में भरा डोडा छिलका मिला। पूछताछ में चालक ने अपना नाम सीताराम पुत्र गणपत लाल जाट निवासी कंवरपुरा, थाना चंदवाजी, जिला जयपुर ग्रामीण बताया। आरोपी मादक पदार्थ संबंधी कोई लाइसेंस या अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.764 किलो अवैध डोडा छिलका बरामद कर उसे एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त एक्सयूवी 300 कार नंबर आरजे 52 सीए 3997 को भी जब्त किया गया। मामले में मनोहरपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच अमरसर थाना प्रभारी कमल सिंह को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ की सप्लाई चेन और अन्य तस्करों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

शिक्षा अज्ञान, भय और सीमाओं से मुक्ति का माध्यम : प्रो. देवनानी

विद्या भवन के उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान समारोह में बोले विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

जयपुर/उदयपुर। विधानसभा अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को अज्ञान, भय, दुर्बलता और सीमाओं से मुक्त करती है। हमें भारतीय संस्कृति और प्राचीन आदर्शों को आत्मसात करते हुए वर्तमान को गढ़ना चाहिए, ताकि बेहतर भविष्य का निर्माण हो सके। वे शनिवार को उदयपुर स्थित विद्या भवन ऑडिटोरियम में आयोजित उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, विद्या भवन समिति के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र तायलिया, मुख्य संचालक राजेंद्र भट्ट, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता, कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. प्रफुल्ल भटनागर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। प्रो. देवनानी ने विद्या भवन समिति से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय तक विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज में सेवाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में उदयपुर क्षेत्र में शिक्षा का अभाव था, उस समय स्वर्गीय मोहन सिंह मेहता और स्वर्गीय जनार्दन राय नागर ने अथक प्रयासों से विद्या भवन और राजस्थान विद्यापीठ जैसी संस्थाओं की स्थापना की। आज ये संस्थाएं दक्षिणी राजस्थान में शिक्षा के मजबूत स्तंभ के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विद्या भवन की वर्तमान कार्यकारिणी समयानुकूल बदलावों और नवाचारों के माध्यम से संस्थान को नई दिशा दे रही है। गौरवशाली अतीत की मजबूत नींव पर वर्तमान को संवारा जा रहा है, जो भविष्य में और अधिक श्रेष्ठ परिणाम देगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आदिवासी बहुल मेवाड़ क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने वाला यह संस्थान देश के श्रेष्ठ संस्थानों में शामिल होगा। कार्यक्रम में संभागभर से आए दसवीं एवं बारहवीं कक्षा के करीब 200 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. देवनानी ने कहा कि वर्तमान समय अवसरों और कड़ी प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे में स्वामी विवेकानंद के संदेश 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको' को जीवन में अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संस्कार, संस्कृति और सनातन मूल्यों को बनाए रखते हुए आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें एआई का दास नहीं बल्कि उसका स्वामी बनना चाहिए। एआई केवल सूचना दे सकता है, लेकिन उसमें संवेदनाएं, चरित्र और करुणा का अभाव होता है। अपने संबोधन में प्रो. देवनानी ने विद्यार्थियों को जीवन में पांच 'डी' का महत्व भी समझाया। उन्होंने कहा कि डेकोरम (मर्यादा), डिसिप्लिन (अनुशासन), डिवोशन (समर्पण) और डिटरमिनेशन (प्रतिबद्धता) को अपनाने से व्यक्तित्व का डेवलपमेंट (विकास) निश्चित है। उन्होंने जीवन की तुलना बैंक लॉकर से करते हुए कहा कि जैसे लॉकर दो चाबियों से खुलता है, उसी प्रकार सफलता भी कर्म और भाग्य दोनों के मेल से मिलती है। इसलिए जीवन में निरंतर कर्म करते रहना चाहिए, सफलता अवश्य मिलेगी। इस दौरान जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों से अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए और सफलता के लिए माता-पिता के मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. जितेंद्र तायलिया ने विद्या भवन समिति की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

दादासाहेब फाल्के की बायोपिक क्यों रुकी? आमिर ने बताई वजह

करीब एक साल पहले आमिर खान और राजकुमार हिरानी ने भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के पर बायोपिक बनाने का एलान किया था। इस घोषणा के बाद फिल्म को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

'स्क्रिप्ट से खुश नहीं, इसलिए फिलहाल रोक दी फिल्म'

अमर उजाला से बातचीत में आमिर खान बताते हैं, 'दादासाहेब फाल्के की कहानी बहुत ही इंस्पिरेशनल है, जिस पर राजू काम कर रहे थे। उन्होंने इसके तीन ड्राफ्ट बनाए, लेकिन अभी तक वो स्क्रिप्ट से पूरी तरह खुश नहीं है। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को फिलहाल बैक बर्नर पर रख दिया है। हो सकता है कि आगे चलकर वो इस पर दोबारा काम करें। फिलहाल इस वक्त राजू '3 इडियट्स 2' पर काम कर रहे हैं। मैंने उसकी कहानी सुनी है, बहुत अच्छी बनी है और अभी उस पर आगे काम चल रहा है।'

'10 साल बाद लौटेंगे '3 इडियट्स' के किरदार'

वह बताते हैं, 'ये बहुत ही अनोखी कहानी है। इसमें '3 इडियट्स' के किरदारों की कहानी दिखाई जाएगी, लेकिन करीब दस साल बाद की। यह एक बहुत खूबसूरत कहानी है, जिसे अभिजात और राजू ने बहुत अच्छे से लिखा और सोचा है।' आमिर मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'तो एक बार फिर मुझे फुनसुख वांगडू के उस किरदार में उतरना पड़ेगा।'

'सितंबर या अक्टूबर से शुरू हो सकती है मेरी अगली फिल्म'

अपने आगे के प्लान को लेकर आमिर कहते हैं, 'मैं पिछले आठ महीनों से कई स्क्रिप्ट्स सुन रहा हूं। 'एक दिन' के रिलीज होने के बाद मैं अपने करियर पर थोड़ा फोकस करूंगा। कई कहानियां हैं जो मुझे पसंद आई हैं।' वह आगे कहते हैं, 'अभी मैंने तय नहीं किया है कि कौन सी फिल्म करूंगा, लेकिन अगले एक-दो हफ्तों में, ज्यादा से ज्यादा एक महीने में फैसला ले लूंगा। मेरा अनुमान है कि इस साल के सितंबर या अक्टूबर से शूटिंग शुरू हो जाएगी।'

पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद फिर इश्क में पड़ीं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गई और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा बोलीं- 'भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी'

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी'।

किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, 'हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी'। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का'। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं। बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे। फिलहाल पत्नी ज्योति सिंह के साथ भी पवन सिंह का विवाद कोर्ट में चल रहा है।

जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे सैफ अली खान

सैफ अली खान जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स की उनकी आगामी फिल्म 'कर्तव्य' की रिलीज डेट आज सामने आ गई है। टीजर के जारी होने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे, अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है।

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले बनी पुलिस-ड्रामा फिल्म 'कर्तव्य' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आज एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट घोषित की है। जिसके तहत 'कर्तव्य' 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स ने फिल्म से सैफ अली खान का एक पोस्टर साझा किया। इसमें सैफ पुलिस की वर्दी में निराश नजर आ रहे हैं। उनके सामने आग जलती दिख रही है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'कर्तव्य के इस चक्रव्यूह में हर फैसला एक इम्तिहान होगा।'

ऐसी है कहानी

'कर्तव्य' की कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ऐसी दुनिया में अपना काम करने की कोशिश करता है जहां सही और गलत की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। जहां उसके सामने भावनात्मक और नैतिक दुविधाएं आती हैं, क्योंकि वह पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे खतरे बढ़ते हैं, अधिकारी खुद को अपनी सीमाओं तक धकेला हुआ पाता है और न्याय की कीमत और चुप्पी के परिणामों पर सवाल उठाने लगता है।

फिल्म का निर्देशन 'भक्षक' फेम पुलकित ने किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन और मनीष चौधरी सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहक किया गया है। इसे प्रोड्यूस गौरी खान ने किया है। 'सेक्रेड गेम्स' की सफलता के बाद सैफ अली खान एक बार फिर पुलिस वाले किरदार में नजर आएंगे।

इसी साल शुरू होगी रणवीर स्टारर 'प्रलय' की शूटिंग

अभिनेता रणवीर सिंह 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अब दर्शकों को अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' के रूप में एंटरटेनमेंट का नया डोज देने को तैयार हैं। 'प्रलय' की शूटिंग इस साल अगस्त से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि रणवीर सिंह और निर्देशक जय मेहता के बीच क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म में रुकावट आ गई है, लेकिन फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 'प्रलय' को लेकर फैलाई जा रही अनिश्चितता वाली खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सूत्र के अनुसार, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है और रणवीर सिंह व निर्देशक जय मेहता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगातार चर्चा कर रहे हैं।

'वाराणसी' की वजह से इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इस वजह से उन्होंने कई प्रोग्रामों में जाना रद्द कर दिया है। खबरें हैं कि काम के चलते वह इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी। यह बात इसलिए ज्यादा ध्यान खींच रही है क्योंकि रेड कार्पेट से उनका गहरा जुड़ाव रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मेट गाला में प्रियंका दुनिया भर से आने वाले सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा मेट गाला 2026 में शामिल नहीं होंगी। यह इवेंट 4 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने वाला है। ब्रिटिश वोग के मुताबिक जब मेट गाला का प्रोग्राम चल रहा होगा तब वह शायद अंटार्कटिका में 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही होंगी। मई के पहले सोमवार को अभिनेत्री बिजी हो सकती हैं।

खलेगी प्रियंका की गैरमौजूदगी

पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका चोपड़ा ने मेट गाला में कई यादगार अपीयरेंस दिए हैं। अपने शानदार ट्रेंच कोट गाउन से लेकर बोल्ड काउचर लुक्स तक, वह लगातार रेड कार्पेट पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली सेलिब्रिटीज में से एक रही हैं। उनके अपीयरेंस अक्सर ग्लोबल पॉप कल्चर की बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं। इस वजह से इस साल उनकी गैर-मौजूदगी महसूस की जाएगी।

'वाराणसी' के बारे में

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। वह इसकी शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज हो सकती है।

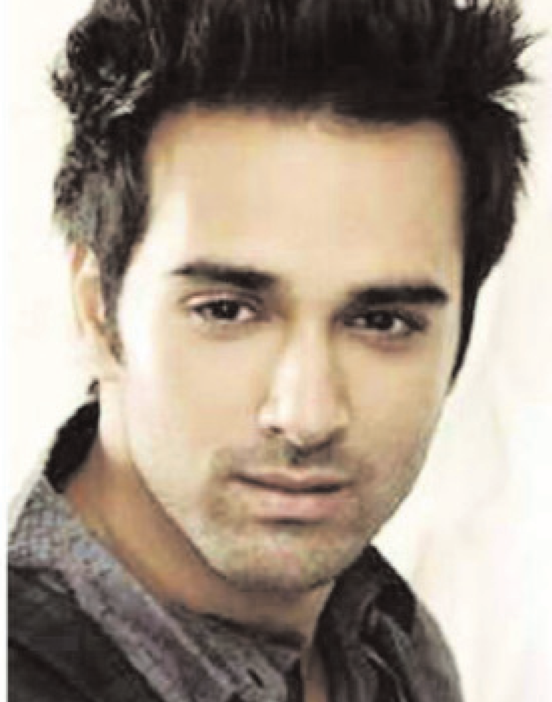

हमारा स्ट्रगल फिल्म हिट होने के बाद भी खत्म नहीं होता

एक्टर पुलकित सम्राट इस वक्त नई सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर सुर्खियों में हैं। 'फुकरे' जैसी हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे पुलकित ने कहा कि हिट देने के बाद भी स्ट्रगल खत्म नहीं होता और इसलिए उन्हें काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती। उन्होंने स्ट्रगल के अलावा 'ग्लोरी' में रोल और उन खामियों पर बात की, जो दूर की हैं।

'फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल के दौरान आपको लगता है कि सबसे मुश्किल काम पहला ब्रेक मिलना है, मगर मेरा यकीन मानिए उससे भी ज्यादा मुश्किल है लगातार काम मिलते रहना।' यह कहना है एक्टर पुलकित सम्राट का। फिल्म 'बिट्टू बॉस' से फिल्मी करियर शुरू करने वाले पुलकित ने अपने इस सफर में सुपरहिट 'फुकरे' फ्रेंचाइजी से लेकर 'डॉली की डोली' और 'पागलपंती' जैसी चर्चित फिल्मों से अपनी पहचान बनाई, मगर पुलकित का कहना है कि बॉलीवुड में काम पाने के लिए लगातार मेहनत करने रहनी पड़ती है।

पुलकित की नई वेब सीरीज 'ग्लोरी' सपनों और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित है। ऐसे में, एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए की गई जद्दोजहद को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'इंडस्ट्री में हमारा कोई गॉडफादर नहीं था। हम आउटसाइडर थे और यहां अपनी जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन जगह आप तभी बना पाएंगे, जब आपको कुछ काम मिलेगा। इसलिए, पहले तो वो काम मिलना जरूरी है। उस पर आपको लगता है कि सबसे मुश्किल चीज यह पहला काम मिलना ही है। आप सोचते हैं कि बस एक ब्रेक मिल जाए, लेकिन मेरा यकीन करिए कि आपको लगातार काम मिलते रहना सबसे मुश्किल चीज है और उसके लिए आपको मेहनत करते रहना पड़ेगा। आपको जाकर लोगों को खुद को बतौर प्रोडक्ट दिखाना पड़ेगा। वह बहुत जरूरी है।'

काम मांगने में कोई शर्म नहीं है

'खुशकिस्मती से आज हमारे पास इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कोई कलाकार ये बोले कि मुझे काम नहीं मिल रहा तो मेरे हिसाब से वो काम करना ही नहीं चाहता क्योंकि आज काम करने की बहुत सारी जगहें हैं। मैंने जब शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। आज बहुत सारे मंच हैं। बस आप घर से निकलिए, लोगों से बोलिए कि मुझे काम करना है। काम मांगिए और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है, जो पहले मुझे लगता था कि मैं दिखा तो दिया। 'फुकरे' कर ली, फिल्म सुपरहिट हो गई, अब तो कल से लाइन लग जाएगी लेकिन कोई लाइन नहीं लगती। यह सच्चाई है। आपके लिए दरवाजे बेशक खुल जाते हैं पर उस दहलीज को पार करके अंदर जाना आपका काम है और मुझे लगता है कि सेट से ज्यादा काम सेट के बाहर रहता है।'

मैं जैसा पहले था, उस पर गर्व नहीं

सीरीज में पुलकित अपने गुस्से पर काबू करने की कोशिश करते हैं। असल जिंदगी में उन्होंने अपनी किसी खामी पर जीत पाई है? यह पर उन्होंने बताया, 'मुझमें बहुत खामियां थीं। एक वक्त पर मैं अपने आप का एक ऐसा वर्जन था जिस पर मुझे आज बिल्कुल गर्व नहीं है। ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे धीरे-धीरे समझ में आई। जब मैं घर से निकला, अकेले उड़ान भरनी शुरू की, ठोकरें खाई तब मुझे समझ आई कि जीने का ये सही तरीका नहीं है। शुरू में हमें ज्यादा समझ नहीं होती है। आप कभी मजाक में किसी को ऐसी बात बोल देते हैं जो शायद उसे बुरी लगे। आज समझ में आता है कि नहीं यार, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था या मुझे सेट पर ऐसे बर्ताव नहीं करना चाहिए था या मैं इस सिचुएशन को बिना गुस्से के भी हैंडल कर सकता था। तब जब लोग आपको बोलते भी हैं न तो भी समझ में नहीं आता है, जब तक आपके पिछवाड़े पर लात नहीं पड़ती।'

बॉक्सिंग ने सिखाया जिंदगी का सबक

सीरीज में बॉक्सर की भूमिका के लिए की तैयारी पर वह बताते हैं, 'इसमें मेरा किरदार एक प्रोफेशनल बॉक्सर का है, तो उसके लिए बहुत ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। बॉक्सिंग को समझना पड़ा और जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तब मुझे समझ आया कि बॉक्सिंग केवल फिजिकल नहीं है, यह एक माइंड गेम भी है। यह एक शतरंज के खेल की तरह है जहां आप रिंग में अपने विरोधी का दिमाग पढ़ रहे हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज समझ रहे हैं और मैं कहूंगा कि बॉक्सिंग ने मुझे ये सिखाया कि उन्हीं नियमों को अपनी असल जिंदगी में भी कैसे उतार सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में उससे कैसे निकल सकते हैं। बॉक्सिंग ने मुझे यह सिखाया कि सिर्फ फिजिकली फिट दिखना काफी नहीं है।

राजाखेड़ा में लोक अदालत के जरिए जेवीवीएनएल ने वसूले 32 लाख रुपए

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले के राजाखेड़ा में राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत शनिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट आकाश शर्मा की अध्यक्षता में कोर्ट परिसर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जेवीवीएनएल की ओर से सहायक अभियंता अपनी टीम के साथ मौजूद रहे और उपभोक्ताओं के पुराने बकाया मामलों का आपसी सहमति से निस्तारण किया गया। शिविर में करीब 180 उपभोक्ताओं के लगभग 60 लाख रुपए के मामलों का निपटारा किया गया, जिसमें करीब 32 लाख रुपए जमा करवाए गए। सुबह 8 बजे से ही उपभोक्ताओं का कैंप में पहुंचना शुरू हो गया था। लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनका समझाइश एवं सहमति से समाधान किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए जेवीवीएनएल की ओर से उपभोक्ताओं के लिए ठंडे पानी और गुड़ की व्यवस्था भी की गई, जिससे लोगों को राहत मिली। शिविर में आए उपभोक्ताओं ने विभागीय कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की सराहना की। कैंप में कनिष्ठ अभियंता मयंक मिश्रा, विशाल जायसवाल, रणवीर सिंह मूंड, वरिष्ठ टेक्निशियन अवधेश शर्मा सहित विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप जयंती पर सामौर में निकली शोभायात्रा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजाखेड़ा अम्बिका माता मंदिर सामौर में महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में सभा व भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। शोभायात्रा बाइक एवं चार पहिया वाहनों के साथ निकाली गई, जिसमें महाराणा प्रताप के जयकारे लगाए गए। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत ने समाज में एकता बनाए रखने और शिक्षा पर जोर देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी समाजों को साथ लेकर चलना चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा का स्वागत एवं सम्मान किया गया। उन्होंने समाज से एकजुट रहने तथा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया। पूर्व भाजपा उपाध्यक्ष नागवेंद्र चौहान ने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श आज भी समाज को प्रेरणा देते हैं। पूर्व प्रधान मौनू जादौन ने बच्चों को इतिहास से जोड़ने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में राजा भैया सहित अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए। आयोजन में रामवीर सिंह सिसोदिया युवा टीम की विशेष भूमिका रही। अंत में समाज के लोग उपस्थित रहे।

शादी समारोह में फायरिंग, युवक की मौत, फैली सनसनी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजाखेड़ा उपखंड के दिहौली थाना क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान हुई हर्ष फायरिंग एक युवक की मौत का कारण बन गई। घटना के बाद खुशियों का माहौल मातम में बदल गया और इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार दिहौली थाना क्षेत्र के घुरैयाखेड़ा गांव में देर रात शादी समारोह चल रहा था। पर डांस के दौरान अचानक हर्ष फायरिंग हुई, जिसमें गोली लगने से राहुल पुत्र दीवान सिंह निवासी जलालपुर थाना मनियां गंभीर रूप से घायल हो गया। राहुल अपने दोस्त की शादी में शामिल होने आया था। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर दिहौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। मामले को लेकर पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

मंदिर के बाहर से बाइक उड़ाने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। कस्बा सुमेरपुर में ईमली वाले हनुमानजी मंदिर के बाहर से दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का सुमेरपुर पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद कर ली। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोरों में हड़कंप मच गया है। जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाली चैनसिंह महेचा व वृत्ताधिकारी सुमेरपुर जितेंद्रसिंह के सुपरविजन में थाना सुमेरपुर पुलिस ने विशेष टीम गठित कर कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार 5 अप्रैल 2026 को शिवगंज निवासी विक्रम कुमार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह अपनी मोटरसाइकिल को ईमली वाले हनुमानजी मंदिर के बाहर खड़ी कर दर्शन करने गया था। करीब 20 मिनट बाद बाहर लौटने पर बाइक गायब मिली। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थानाधिकारी सवाईसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, संदिग्धों से पूछताछ की तथा तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस ने मामले में प्रताप पुत्र किशनलाल निवासी नहर के पास, सुमेरपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई। कार्रवाई में उपनिरीक्षक ललिता मीणा, कांस्टेबल सुनील, नवीन, राजेश कुमार व छोटूसिंह की विशेष भूमिका रही।

लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लेकर गांव-गांव पहुंच रही सरकार : जोगेश्वर गर्ग

जीवाणा व डाबली में की संध्या चौपाल

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में चल रहे ग्राम रथ अभियान के तहत राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग शुक्रवार को जीवाणा व डाबली ग्राम पंचायत में आयोजित संध्या चौपाल व कार्यक्रमों में भाग लिया। संध्या चौपाल कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि ग्राम रथ अभियान का उद्देश्य राज्य सरकार की ओर से विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना है। साथ ही संध्या चौपालों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी अपेक्षाएं और सुझाव जानकर कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में आमजन की भागीदारी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है तथा सरकार जनता की भावनाओं एवं आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार व कृषि क्षेत्र में लगातार विकास कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार व जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कला जत्था के कलाकारों की ओर से राज्य सरकार की योजनाओं का लोकगायन शैली में किए गए प्रचार-प्रसार की सराहना की।

संध्या चौपाल कर ग्रामीणों की सुनी परिवेदनाएँ, समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने संध्या चौपाल कर ग्रामीणों के परिवेदनाएँ सुनी व सुझाव लिए। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। चौपाल के दौरान उन्होंने पानी, बिजली, सड़क चिकित्सा, शिक्षा व रोजगार व बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण के लिए ग्रामीणों से सुझाव लिए। उन्होंने रोजमर्रा की आवश्यकताओं व जरूरी सेवाओं को और बेहतर बनाने तथा विभिन्न माँगों समस्यायों के समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही व स्थाई समाधान के अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील है और प्रशासन को जवाबदेह बनाते हुए प्रत्येक व्यक्ति को राहत पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर जोधपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष प्रो. महेन्द्र सिंह राठौड़, सायला उपखण्ड अधिकारी सूरजभान विश्नोई, विकास अधिकारी गौरव विश्नोई, महेन्द्र मेघवाल, गजेन्द्र सिंह सिसोदिया, उदयसिंह दादाल, मंजू मेघवाल, तुलसाराम चौधरी, केवदाराम चौधरी, दुर्गाराम महिया, नेनाराम जाखड़, पीराराम भाम्भू, कमलेश बेनीवाल, पदमाराम, पुरखाराम महिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी व ग्रामीणजन मौजूद रहे।

संध्या चौपाल व कला जत्था के माध्यम से किया जा रहा ग्रामीणों को जागरूक

इस अभियान में जिले के पाँचों विधानसभा क्षेत्रों में ग्राम रथ की एलईडी स्क्रीन पर किसानों को खेती बाडी की आधुनिक तकनीकों और उन्नत कृषि पद्धतियों के बारे में जानकारी दी जा रही है और संध्या चौपाल व कला जत्था के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीणों के सुझावों के लिए रथों पर सुझाव पेटिका रखी गई है। जिनके जरिए प्राप्त सुझावों का विश्लेषण कर भविष्य में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को और अधिक जनोपयोगी और पारदर्शी बनाया जाएगा।

इन ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँचे रथः

शनिवार को जालमपुरा, बाला, सांगाणा, लुम्बा की ढाणी, सिराणा, दांता, नैनोल, पांचला, कूड़ा, खासरवी, काछेला, जैसावास, खोखा, रंगाला व बिजलिया ग्राम पंचायत में ग्राम रथों से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संदेश प्रसारित कर जनता और सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। योजनाओं को रोचक बनाने के लिए लोक कलाकारों की ओर से शाम के समय गांवों में 'संध्या चौपाल' में कला जत्था के माध्यम से योजनाओं को गीतों और नाटकों के जरिए प्रभावी ढंग से समझाया गया। ग्राम रथ को देखने के लिए ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा।

13 विभागों की योजनाओं की मिल रही जानकारीः

ग्राम रथों के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायती राज, ग्रामीण विकास विभाग की सहभागिता से कृषकों व पशुपालकों सहित ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

अब सफाई साथी बनेंगे आर्थिक रूप से मजबूत

सुमेरपुर नगर पालिका के विशेष लोन मेले में उमड़ी भीड़

बैंक अधिकारियों ने बताए बचत और तरक्की के मंत्र

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। शहर को स्वच्छ रखने वाले सफाई साथियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नगर पालिका सुमेरपुर ने अनूठी पहल करते हुए शनिवार को साई उद्यान (रूप बाग) में विशेष लोन मेले का आयोजन किया। मेले में सफाई कर्मियों को कम ब्याज दर पर ऋण, सरकारी योजनाओं और बचत के जरिए भविष्य संवारने के गुर सिखाए गए। कार्यक्रम में अधिशाषी अधिकारी नरपतसिंह राजपुरोहित ने कहा कि सफाई साथी नगर की रीढ़ हैं और उनका आर्थिक रूप से सशक्त होना बेहद जरूरी है। बैंक प्रतिनिधियों ने सफाई कर्मियों को समझाया कि छोटी-छोटी बचत से बड़ा आर्थिक सहारा तैयार किया जा सकता है। साथ ही बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार की जरूरतों के लिए बैंक ऋण का सही उपयोग कैसे करें, इसकी भी विस्तार से जानकारी दी गई। मेले में मौजूद बैंक अधिकारियों ने कहा कि समय पर ऋण चुकाने से भविष्य में बड़ी वित्तीय सुविधाएं आसानी से मिल सकती हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर सफाई साथियों को अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सफाई कर्मियों ने बैंक अधिकारियों से सीधे संवाद कर ऋण प्रक्रिया, दस्तावेज और योजनाओं को लेकर सवाल पूछे। मेले में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और सेंट्रल बैंक के प्रतिनिधियों ने मौके पर ही मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सहायक अभियंता लोकेश पाटीदार, कनिष्ठ अभियंता कैलाश कुमार मीणा, स्वास्थ्य निरीक्षक यशवंत परिहार, कुलदीप मेहरा, भरत राठौड़, प्रवीण कुमार सहित नगर पालिका के अधिकारी - कर्मचारी मौजूद रहे। नगर पालिका की इस पहल को सफाई कर्मियों के जीवन स्तर सुधारने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

लोक अदालत में समझौतों का महाकुंभ, 147 मामलों में राजीनामा, 25 लाख रुपए के अवार्ड पारित

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। सुमेरपुर न्यायालय परिसर शनिवार को उस समय 'समझौते के महाकुंभ' में तब्दील हो गया, जब राष्ट्रीय लोक अदालत में पक्षकारों ने आपसी सहमति और समझाइश के जरिए बड़ी संख्या में विवादों का समाधान किया। तालुका विधिक सेवा समिति सुमेरपुर के तत्वावधान में आयोजित इस लोक अदालत में दिनभर चली सुनवाई और राजीनामों के बीच न्यायालय परिसर में सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन और पोस्ट-लिटिगेशन के कुल 965 प्रकरण रखे गए, जिनमें से 147 मामलों का मौके पर ही आपसी समझौते से निस्तारण कर दिया गया। इन मामलों में करीब 25 लाख रुपए तक के अवार्ड पारित किए गए। वर्षों से लंबित विवादों का समाधान होने पर पक्षकारों के चेहरों पर राहत और संतोष साफ नजर आया। लोक अदालत के लिए दो विशेष बैंचों का गठन किया गया। प्रथम बैंच की अध्यक्षता न्यायिक मजिस्ट्रेट रेखता परमार ने की। उनके साथ अधिवक्ता अमय सिंह देवड़ा और तहसीलदार हिमांशु कच्छावा सदस्य के रूप में मौजूद रहे। वहीं दूसरी बैंच की अध्यक्षता अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट मोक्षदा नांदड़ ने संभाली तथा अधिवक्ता खेत सिंह जेतावत सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं ने पक्षकारों को समझाइश देकर आपसी सहमति से विवाद समाप्त कराने के प्रयास किए, जिसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आया। छोटी-छोटी बातों को लेकर वर्षों से चल रहे विवाद कुछ ही मिनटों में खत्म होते नजर आए। इस दौरान वकील मंडल अध्यक्ष तरुण त्रिवेदी, अभियोजन अधिकारी पंकज शर्मा, अधिवक्ता रतनलाल गहलोत, सुरेंद्र राजपुरोहित सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। न्यायालय परिसर में दिनभर पक्षकारों की भीड़, फाइलों की आवाजाही और समझौतों की प्रक्रिया ने लोक अदालत को पूरी तरह जीवंत बना दिया। राष्ट्रीय लोक अदालत के जरिए एक बार फिर यह संदेश मजबूत हुआ कि आपसी संवाद और सहमति से विवादों का समाधान संभव है तथा इससे समय, धन और मानसिक तनाव–तीनों की बचत होती है।

नर्सेज सप्ताहः देशभक्ति आजादी के साथ समाज में फैली बुराइयों को दूर करने का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। नर्सेज सप्ताह के अन्तर्गत जीएनएम व बीएससी नर्सिंग के प्रशिक्षणार्थियों के मध्य फेस पेंटिंग, मेहंदी, रंगोली,पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत फेस पेंटिंग से चेहरे पर रंगों के माध्यम से सुंदर संदेश दिए गए। स्टूडेंट्स की प्रतिभा को उजागर करने के लिए सामाजिक संदेश पर आधारित ऐक्टिविटीज़ करवायी जा रही हैं। नर्सिंग सप्ताह के फेस पेंटिंग कॉम्पीटिशन में प्रतिभागियों की अनूठी सोच...चेहरा नहीं,मैसेज देखिए...के अन्तर्गत ऑपरेशन सिंदूर नारी सशक्तिकरण,ड्रग्स छोड़ने,लैंगिक समानता,उत्पीड़न के ख़िलाफ़ खामोशी तोड़ने, पौधरोपण व देशभक्ति आजादी के साथ समाज में फैली बुराइयों को दूर करने का संदेश दिया। अपने आस पास की घटनाओं और परिस्थितियों को लेकर युवा कितने सजग और चिंतित हैं।यह इंटरनेशनल नर्सेज सप्ताह के दौरान राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय जालोर में दिखा। जहाँ उन्होंने अपना विजन, कल्पना और सोच दिखाने का मौक़ा मिला। इस दौरान आर्टिस्ट ने सक्रियता से अपना हुनर चेहरे पर बिखेर दिया।प्रतिभागियों ने एक डेढ़ घंटे आँखें बंद कर बैठने से पहले आर्टिस्ट के साथ थीम पर चर्चा कर कलर प्लानिंग तय की।आर्टिस्ट की सोच जब चेहरे पर उतरी तो जजेज,विजिटर्स और विद्यार्थी सभी हैरान रह गए। ऐक्टिविटीज़ प्रभारी नर्सिंग फैकल्टी डिम्पल गर्ग ने बताया कि मेहँदी, रंगोली और पोस्टर के माध्यम से सेव गर्ल्स और हमारी नर्स हमारा भविष्य का मेसेज देने के साथ अरेबीक, ब्राइडल, बूटे सहित कई आर्ट बनाई। फेस कम्पटीशन में दस प्रतिभागियों की पाँच टीमे थी। हर टीम ने क्रिएटिविटी और कलर डिजाइन से मेसेज देकर अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया। इस दौरान नर्सिंग कॉलेज व जनरल नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्र जालोर के प्राचार्य डॉ.पवन ओझा, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रमेश गहलोत, नर्सिंग फैकल्टी शिवा कुमार दवे, मोहन सिंह गुर्जर, यशवंत पुंसल,राधेश्याम चिवड़ा, सुरेश गर्ग, डिंपल गर्ग, भूपेन्द्र कुमार, गोविंद, पूजा सहित समस्त फैकल्टी और प्रशिक्षणार्थियों का सहयोग रहा।

रात को ताले तोड़कर नकबजनी के आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। रात को ताले तोड़कर नकबजनी करने के आरोप में दो आरोपियों को बिशनगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक जालोर के निर्देशानुसार में जिले में सम्पति सम्बंधी अपराधों की रोकथाम व वांछितों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बिशनगढ़ थानाधिकारी मनोजकुमार सामरिया के नेतृत्व में प्रकरण संख्या 51/2026 में नकबजनी की वारदात का खुलासा करने हेतु अलग-अलग टीमों का गठन कर अज्ञात की तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी आधार पर उम्मेदाबाद, ऐलाना, केशवना, धोराढ़ाणी, कुआबेर, सायला व संभावित जगहों पर तलाश की गई। सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर संदिग्ध आरोपियों को चिन्हित कर दस्तयाब किया जाकर अनुसंधान व पूछताछ की गई। इस दौरान उक्त प्रकरण व कस्बा उम्मेदाबाद में अन्य मकानों के भी ताले तोड़कर चोरी करना स्वीकार करने पर आरोपी उम्मेदाबाद निवासी गणपत कुमार पुत्र जगाराम वाल्मिकी व किशोर कुमार पुत्र मांगीलाल मेघवाल को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में आरोपियों से माल बरामदगी के प्रयास जारी है। जानकारी के मुताबिक 13 अप्रेल 2026 को उम्मेदाबाद निवासी उतम चंद पुत्र हरकचंद जैन ने पुलिस थाना बिशनगढ को रिपोर्ट पेश कर बताया कि उस दिन रात्रि को तीन अज्ञात चोरों ने उनके घर के ताले तोड़कर घर से चाँदी के नारियल 02 नग (वजन 250-250 ग्राम), चाँदी की थाली एक नग (वजन 1 किलो), चाँदी की कटोरी 02 नग (वजन 300 ग्राम), चाँदी के सिक्के 22 नग (वजन 10 ग्राम), नकद 1,80,000 रुपये, सोने की चैन एक नग (वजन 10 ग्राम, अनुमानित मूल्य 1.50 लाख), सोने की अंगूठी एक नग (वजन 5 ग्राम), सोने की फिनी (नाक की) 10 नग (वजन 1 ग्राम, अनुमानित मूल्य 15,000 रुपये), चाँदी की पायल 02 जोड़ी (वजन 30-30 ग्राम, अनुमानित मूल्य 20,000 रुपये) चुराकर ले गये है। इस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तफ्तीश में इन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक अपने शौक मौज की पूर्ति के लिए दिन के समय सूने पड़े मकानों को चिन्हित कर रात्रि में उक्त मकानों के ताले तोड़कर कीमती सामान, सोने-चांदी के जैवरात व नगदी रूपये चोरी करने की वारदात को अंजाम देते थे।

16 कैमरों की निगरानी में बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस

ऑटोमेटिक सेंसर ट्रैक से होगी ट्रायल, बिना मानवीय हस्तक्षेप के जारी होंगे लाइसेंस

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिला परिवहन व सड़क सुरक्षा विभाग में अब ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया पूरी तरह हाईटेक होने जा रही है। महानगरों की तर्ज पर धौलपुर में भी ऑटोमेटिक सेंसर ट्रैक स्थापित कर दिया गया है। सोमवार से नए आवेदकों की ड्राइविंग ट्रायल इसी ऑटोमेटिक ट्रैक के माध्यम से होगी। जिला परिवहन व सड़क सुरक्षा अधिकारी गौरव यादव ने बताया कि नई व्यवस्था का उद्देश्य लाइसेंस प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और मानवीय हस्तक्षेप को समाप्त करना है। अब किसी प्रकार के एजेंट की आवश्यकता नहीं रहेगी तथा केवल कुशल वाहन चालक ही ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग और मारुति के बीच हुए एमओयू के बाद निपुण इंडिया कंपनी की ओर से पूरे ट्रैक का संचालन व सत्यापन किया जाएगा। आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर स्लॉट बुक कर अपना समय एवं तिथि निर्धारित कर सकेंगे। इसके बाद दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। ट्रायल प्रक्रिया से पहले आवेदकों को आरएफआईडी कार्ड के माध्यम से लगभग 12 मिनट की वीडियो क्लिप दिखाई जाएगी, जिसमें टेस्टिंग ट्रैक, यातायात संकेत, सड़क सुरक्षा व ट्रायल प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इसके बाद आवेदक का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा, जो ट्रायल के दौरान तीन बार होगा। ट्रैक पर पहुंचने के बाद बैरियर पर लगी लाल लाइट स्वतः हरी हो जाएगी और आवेदक को विभिन्न परीक्षणों से गुजरना होगा। इनमें पार्किंग टेस्ट, 8 नंबर ट्रैक, एच ट्रैक, ग्रेडियंट टेस्ट, स्लोप और रेड लाइट टेस्ट प्रमुख होंगे। पूरी ट्रायल प्रक्रिया ऑटोमेटिक सेंसर व जियो फेंसिंग तकनीक के माध्यम से 16 कैमरों की निगरानी में संचालित होगी। ट्रायल समाप्त होते ही परिणाम स्वतः जनरेट हो जाएगा। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि केवल वही चालक लाइसेंस प्राप्त कर सकेगा जिसे वाहन संचालन, यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा की पूर्ण जानकारी होगी। विभाग की भूमिका केवल दस्तावेज सत्यापन तक सीमित रहेगी। नई व्यवस्था से सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

विनोद कुमार बने ग्राम विकास अधिकारी संघ पाटन के अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस.)। ग्राम विकास अधिकारी संघ की उपशाखा पाटन के चुनाव शनिवार को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान पर्यवेक्षक सोहनलाल बावरिया व निर्वाचन अधिकारी राकेश सैनी की मौजूदगी रही। चुनाव में ब्लॉक कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष पद पर विनोद कुमार को चुना गया। वहीं ब्लॉक मंत्री पद पर पवन कुमार यादव, उपाध्यक्ष पद पर रामगोपाल शर्मा, कोषाध्यक्ष पद पर शक्ति सिंह तंवर तथा जिला प्रतिनिधि के रूप में कृष्ण कुमार मीणा को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा संरक्षक पद पर हरिप्रसाद मीणा, सदस्य पद पर विक्रम गुर्जर व महिला सदस्य के रूप में सुश्री अनु राजपूत का चयन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित सदस्यों ने माला पहनाकर स्वागत किया और संगठन हित में कार्य करने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर संघ के सदस्यों ने संगठन की एकजुटता बनाए रखते हुए ग्राम विकास अधिकारियों की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बूंद-बूंद पानी के लिए परेशानी, सड़क पर व्यर्थ बह रहा पानी

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। भीषण गर्मी और नहरबंदी के कारण शहर में गहराए जल संकट के बीच जलदाय विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जहां एक ओर आमजन पेयजल की एक-एक बूंद के लिए परेशान है, वहीं दूसरी ओर विभाग की ओर से संचालित टैंकर से हजारों लीटर पानी सड़क पर बहकर व्यर्थ हो गया। मामला सालासर रोड का है, जहां शनिवार को बीच सड़क पर खड़े जलदाय विभाग के टैंकर से लगातार पानी बहता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टैंकर काफी देर तक सड़क किनारे खड़ा रहा और उससे पानी रिसकर सड़क पर फैलता रहा, लेकिन मौके पर न तो चालक मौजूद था और न ही किसी कर्मचारी ने पानी की बर्बादी रोकने का प्रयास किया। हैरानी की बात यह रही कि टैंकर पर बड़े अक्षरों में 'जलदाय विभाग द्वारा निशुल्क पानी' लिखा हुआ था, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के कई मोहल्लों में जलापूर्ति प्रभावित है और लोग पानी के लिए टैंकरों व हैंडपंपों पर निर्भर हैं। ऐसे समय में सरकारी पानी का इस तरह सड़कों पर बहना लोगों की पीड़ा को और बढ़ा रहा है। स्थानीय निवासी हरि प्रजापत ने बताया कि विभागीय लापरवाही के कारण इस प्रकार पानी की बर्बादी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे। लोगों ने जलदाय विभाग से ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई करने तथा जल संरक्षण के प्रति गंभीरता दिखाने की मांग की है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 48 प्रकरणों का निस्तारण, 67 लाख से अधिक की वसूली

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट अजयदीप सिंह की अध्यक्षता में किया गया। लोक अदालत में सदस्य के रूप में अधिवक्ता पवन कुमार योगी ने सहयोग किया। न्यायाधीश अजयदीप सिंह ने बताया कि लोक अदालत में विभिन्न श्रेणी के कुल 48 प्रकरणों का आपसी समझाइश एवं सहमति के आधार पर निस्तारण किया गया। दांडिक शमनीय मामलों के 9 प्रकरणों तथा धारा 138 एनआई एक्ट के 5 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 13 लाख 54 हजार 372 रुपए की वसूली करवाई गई। इसी प्रकार वैवाहिक मामलों के 4 तथा भरण-पोषण के 6 प्रकरणों का निस्तारण कर 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि दिलवाई गई। सिविल व धन वसूली से जुड़े 6 प्रकरणों का भी निस्तारण किया गया। वहीं एमसीटी के 9 प्रकरणों में 44 लाख 45 हजार रुपए के पंचाट पारित किए गए। बैंक एवं बीएसएनएल से संबंधित प्री-लिटिगेशन के 9 मामलों में समझौते के जरिए 8 लाख 3 हजार 89 रुपए की वसूली हुई। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 67 लाख 22 हजार 461 रुपए की वसूली के साथ 48 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। लोक अदालत के दौरान अधिवक्ता सुरेश कुमार चेजारा, धर्मेन्द्र कुमार, गोपीराम, विजयपाल पूनियां, मुकेश पूनियां, जयन्त यादव, धीरज कुमार, घनश्याम शर्मा, टीकूराम, मुकेश सैनी, कैलाश सिंह सहित न्यायालय कर्मचारी, बैंक अधिकारी व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोक अदालत में राजीनामे से प्रकरणों का निस्तारण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके लिए न्यायालय सुजानगढ़ मुख्यालय पर कुल दो बैंच का गठन किया गया। प्रथम बैंच के अध्यक्ष एडीजे न्यायाधीश महेन्द्र प्रताप भाटी, सदस्य अधिवक्ता संतोष सोनी रहे। जिसमें न्यायालय अपर जिला व सेशन न्यायालय में लंबित, एमएसीटी के 5 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर राशि 27,60,000 रुपये के अवार्ड जारी किए। राजीनामा योग्य फौजदारी के 2 प्रकरण, वैवाहिक विवाद के 7 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। न्यायालय में लंबित कुल 22 प्रकरणों का निस्तारण जरिये राजीनामा हुआ। इसी प्रकार बैंच की ओर से प्री-लिटिगेशन के 95 प्रकरणों का निस्तारण कर राशि 1,22,73,639 रुपयें की रिकवरी की गई। द्वितीय बैंच में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विकास गजराज, राजस्व अधिकारी गिरधारीलाल पारीक, सदस्य अधिवक्ता बसंती खेतान रहे। बैंच की ओर से न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुजानगढ़ में लंबित 36 प्रकरणों का निस्तारण जरिये राजीनामा किया गया व न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुजानगढ़ में लंबित 13 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में अधिवक्ता भीमशंकर शर्मा, दिनेश दाधीच, अयूब खां, सलीम खां, किशन सैनी, घनश्याम सैनी व विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियन्ता अनिल कुमार बरवड़ व रीडर सुरेश कुमार इंदोरिया, अब्दुल रसीद, दुर्गासिंह, अनवर खां न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीमावर्ती गांवों में डॉ. सतीश पूनियां का जनसंवाद, बोले-मोदी सरकार की योजनाओं से गांव बन रहे आत्मनिर्भर

जयपुर टाइम्स

बीकानेर/श्रीगंगानगर/हनुमानगढ़/चूरू (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे भाजपा के 'ग्राम विकास रथ अभियान' के तहत भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने तीन दिनों तक सीमावर्ती जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने किसानों, युवाओं, महिलाओं और आमजन से संवाद कर केंद्र की मोदी सरकार तथा राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी।

डॉ. पूनियां 7 से 9 मई तक बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू जिलों के गांवों में लगातार सुबह से देर रात तक ग्राम विकास चौपाल और ग्राम विकास रात्रि चौपाल कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने बीकानेर के खाजूवाला, श्रीगंगानगर के चूनावढ़, बनवाली-सादुलशहर, 18 जीजी गोविंदपुरान, हनुमानगढ़ के शेरेकां एवं मैनावाली तथा चूरू जिले के सुजानगढ़ क्षेत्र के लुहारा गांव में ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुझाव लिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का लक्ष्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। ग्राम विकास अभियान के माध्यम से सरकार गांवों की वास्तविक जरूरतों को समझकर विकास कार्यों को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाना ही विकसित भारत 2047 की आधारशिला है। डॉ. पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग के जीवन स्तर को सुधारने के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं शुरू की हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के माध्यम से आमजन को सोलर ऊर्जा से जोड़कर बिजली बिल में राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं जनधन योजना ने गरीब परिवारों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर आर्थिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले हैं, जबकि उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाकर उनके स्वास्थ्य और सम्मान की रक्षा की है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो रही है और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। डॉ. पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांवों का सड़क संपर्क मजबूत हुआ है, जिससे ग्रामीण विकास को नई गति मिली है। उन्होंने कोरोना काल का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देशवासियों को मुफ्त वैक्सीन, राशन और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं, जिसकी दुनिया भर में सराहना हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार भी किसानों और ग्रामीणों के हित में लगातार काम कर रही है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों को कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जा रहा है तथा तारबंदी योजना के जरिए फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। डॉ. पूनियां ने कहा कि ग्राम विकास चौपाल अभियान सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस अभियान के जरिए प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल वादों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि धरातल पर विकास कार्यों को साकार करने का काम करती है। केंद्र और राज्य सरकार की डबल इंजन सरकार के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है और गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह, विधायक गुरुवीर बराड़, प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक विजेंद्र पूनिया, पूर्व जिला अध्यक्ष आत्माराम तरड़, प्रियंका बालान, हनुमानगढ़ जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू, पूर्व विधायक गुरदीप सिंह शाहपीनी, पूर्व विधायक बलवीर सिंह लूथरा, जिला महामंत्री प्रदीप धेरड़ एडवोकेट, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सतपाल कासनियां, जिला मीडिया संयोजक श्रीचंद चौधरी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

फिर से त्रासदी के बचाव के लिए समय पर व्यवस्थाएं करे सरकार: विधायक मनोज मेघवाल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नगरपरिषद कार्यालय के बाहर अजय ढ़ेनवाल के नेतृत्व में चल रहा धरना लगातार 6ठे दिन भी जारी रहा। धरने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष व विधायक मनोज मेघवाल व बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। इस दौरान विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि हमारा सबसे बड़ा मुद्दा शहर की सफाई और पानी निकासी है, क्योंकि जिस प्रकार की त्रासदी पिछले साल शहर की जनता ने झेली थी, उसी प्रकार के हालात नगरपरिषद में मिस मैनेजमेंट के चलते फिर से होते नजर आ रहे हैं। विधायक ने कहा कि मार्च से खानपुर रोड़ का पंप बंद पड़ा है, गेनाणी के पंपों के लिए कलेक्टर को फोन किया गया, तब पंप चालू हुए, ऐसे में सोचने वाली बात है कि सरकार ने शहर की जनता को किसके भरोसे छोड़ रखा है। विधायक ने कहा कि तहसीलदार के पास पहले से ही ओवरलोड काम है, ऐसे में उनको चार्ज देकर सरकार क्या दिखाना चाहती है? क्या सरकार के पास एक भी आयुक्त नहीं है, जो सुजानगढ़ में लगाया जा सके? विधायक ने कहा कि सरकार जान बूझकर सुजानगढ़ की जनता को लावारिश हालत में रखना चाहती है और यहां पर आयुक्त नहीं लगा रही। विधायक ने कहा कि महापुरूषों की मूर्तियां लगाने की मांग को लेकर 6 दिनों से धरना चल रहा है, लेकिन कोई अधिकारी धरने पर वार्ता के लिए नहीं आया, ये सब दिखाता है कि सरकार के अधिकारी किस प्रकार से प्रेशर में काम कर रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि प्रशासक और कार्यवाहकों के भरोसे प्रदेश की व्यवस्था चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि टेक्ट्रर्स फर्म के ट्रेक्टर कम पाए गए और निरीक्षण के बाद एक बार खानापूर्ति करके वापस वहीं व्यवस्था चालू है। ऐसे में मानसून सिर पर है, जनता किसके भरोसे है। मेघवाल ने कहा कि नगरपरिषद में ग्रांट आई तो एक ठेकेदार को काफी बड़ा पेमेंट किया गया, लेकिन पहले से बकाया लोगों पर ध्यान नहीं दिया गया, जो दिखाता है कि किस प्रकार से भेदभाव किया जा रहा है। मेघवाल ने कहा कि बारिश से पहले नालों की सफाई और साफ - सफाई से सम्बंधित टेंडर किए जाए। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप तोदी, नगर अध्यक्ष रामावतार शर्मा, अमित मारोठिया, रामनिवास गुर्जर, आसिफ नासवान, बजरंग सेन, लालचंद बेदी, ओंकारमल, विद्याधर बेनीवाल, दाऊद काजी, कन्हैयालाल, मुकुल मिश्रा, अजय ढेनवाल, नूर मोहम्मद खान, आवेश राव, तरूण सियोता, सिराज खान, मदन सोनी, मुकेश गोयल, इकबाल खान, राजा खाना, राजू इंदौरिया, अजय सियोता सहित अनेक लोग धरने पर मौजूद रहे। सभी ने मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। आपको बता दें कि नेहरू पार्क में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर, महाकवि कन्हैयालाल सेठिया, स्वतंत्रता सेनानी गिरीशचंद्र मिश्र की मूर्तियां लगाए जाने की मांगों को लेकर ये धरना चल रहा है।

शहरी प्राथमिक केंद्र का एसडीएम ने किया निरीक्षण, पानी व स्टाफ की कमी दूर करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के भादर जी कुआं के पास स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शनिवार को उपखंड अधिकारी रामकुमार वर्मा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल प्रभारी डॉ सोनू माली से अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक लिया तथा केंद्र में मौजूद कमियों को दूर करने को लेकर विस्तार से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम रामकुमार वर्मा ने कहा कि इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अच्छी ओपीडी रहती है। इसके बावजूद यहां के डॉक्टर व चिकित्सा टीम मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने का लगातार प्रयास कर रही है जो सराहनीय है। अस्पताल प्रभारी डॉ सोनू माली ने एसडीएम को अवगत करवाते हुए बताया कि अस्पताल में पानी की भारी समस्या बनी हुई है तथा लेट-बाथ की सुविधा भी सही तरीके से उपलब्ध नहीं है। इसके चलते अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि इन व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर दिया जाए तो मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इस दौरान अस्पताल में अतिरिक्त स्टाफ लगाने की मांग भी उठाई गई। डॉ सोनू माली ने बताया कि अस्पताल में मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण दो अतिरिक्त नर्सिंग ऑफिसर लगाए जाने की आवश्यकता है। साथ ही फार्मा असिस्टेंट और डाटा एंट्री ऑपरेटर की भी कमी चल रही है। यदि इन पदों पर नियुक्ति हो जाए तो मरीजों को और बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल पाएंगी। इस पर एसडीएम रामकुमार वर्मा ने आश्वासन देते हुए कहा कि अस्पताल की सभी समस्याओं से चिकित्सा विभाग के उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया जाएगा ताकि जल्द समाधान हो सके।निरीक्षण के दौरान नर्सिंग अधिकारी तारा देवी, सविता, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता आरती, ममता, ललिता, कमल कुमार, दशरथ, कृष्ण कुमार, आरिफ, रोहित सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

ओसवाल पंचायत ने किया भामाशाह बैद्ध का अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। ओसवाल श्री संघ पंचायत चूरू की ओर से शनिवार शाम को कटला भवन में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भामाशाह इंद्रजीत बैद्ध परिवार की ओर से पंचायत में 60 किलोवाट का आधुनिक जेनरेटर प्रदान करने पर समाज की ओर से उनका भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। इस दौरान जेनरेटर का लोकार्पण बैद परिवार के बाल सदस्य प्रियांश ने फीता काटकर किया। समाज के वरिष्ठ जनों ने इसे नई पीढ़ी में सेवा के संस्कारों का बीजरोपण बताया। ज्ञात रहे कि इस आधुनिक तकनीक के जेनरेटर से कटला भवन में बिजली की पुरानी समस्या का समाधान हो जायेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एम. एल. श्याम सुखा ने भामाशाह के योगदान की सराहना की। प्रारम्भ में पंचायत अध्यक्ष श्रवण कोठारी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पंचायत के पदाधिकारियों और समाज के प्रमुख लोगों ने शॉल, साफा, श्रीफल, माला और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर इंद्रजीत व मोहित बैद का अभिनंदन किया। बैद परिवार की ओर से सुरेश बैद ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष विनोद लूणिया, छत्तर सिंह डागा, सुरेश बैद, खेमराज सुराणा व निर्मल कुमार बैद मंचस्थ अतिथि रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रवण कोठारी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कोठारी, सह मंत्री हितेश कोठारी, कोषाध्यक्ष अजय दफ्तरी, सदस्य राजेन्द्र सुराणा, नोरतन कोठारी, ताराचंद बांठिया, चैनरूप बैद, प्रताप सुराणा, हरीसिंह डागा, अभय सिंघी, सायर बैद, मुन्नी कोठारी, मुन्नी डागा, पद्मा बांठिया, पायल दफ्तरी, रश्मि कोठारी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कमल कोठारी ने किया।

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर मारपीट, आक्रोशित लोगों ने किया प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के कल्याणपुरा बीदावतान गांव में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना में दो लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष ने पांच नामजद सहित 20 से अधिक लोगों के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे गांव निवासी रामसिंह गहलोत के घर पर कुछ लोग गाड़ियों में सवार होकर पहुंचे। आरोप है कि चंद्रपाल सिंह राजपुरोहित, नरेंद्र जाखड़, भागूसिंह सांखला, नरपतसिंह राजपूत, रामसिंह राजपूत सहित अन्य लोगों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों और सरियों से हमला कर दिया। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। मारपीट में राजूसिंह और केसर देवी घायल हो गए। सूचना मिलने पर सरदारशहर पुलिस रात को ही मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण सरदारशहर थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पीड़ित रामसिंह गहलोत ने बताया कि करीब 20 दिन पहले उनके पुत्र सुनील गहलोत और आरोपी चंद्रपाल सिंह राजपुरोहित के बीच गांव की चौपाल में कहासुनी हुई थी। उसी रंजिश को लेकर यह हमला किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावर शराब के नशे में थे। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि रिपोर्ट प्राप्त हुई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है तथा फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

विकसित भारत 2047 में एआई और सोशल जस्टिस पर मंथन

सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस मसीह ने किया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। डॉ. भीमराव अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी जयपुर एवं एस.एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत 2047 के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल जस्टिस' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के न्यायाधीश जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने किया। कार्यक्रम में देशभर से करीब 180 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। सम्मेलन में शिक्षाविदों, न्यायविदों, शोधार्थियों और नीति विशेषज्ञों ने भाग लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी के बीच अनुसंधान संबंधी एमओयू भी संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने अपने संबोधन में कहा कि तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग मानव मूल्यों एवं न्याय के अधीन रहकर होना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका की बदलती भूमिका, संविधान की गरिमा और युवा विधि विद्यार्थियों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट मुख्य अतिथि एवं श्रीलंका के पूर्व चीफ जस्टिस जस्टिस मोहन पीरिस ने कहा कि अधिवक्ता का कार्य केवल व्यवसाय नहीं बल्कि कर्तव्यनिष्ठ सेवा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय न्यायिक अनुभव साझा करते हुए न्याय व्यवस्था में तकनीक की बढ़ती भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) परमजीत एस. जसवाल ने सामाजिक न्याय और एआई गवर्नेंस पर अपने विचार रखते हुए कहा कि तकनीकी प्रगति का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए समानता, समावेशन और न्याय सुनिश्चित करे। सम्मानित अतिथि प्रो. (डॉ.) वी. विजय कुमार ने राजनीतिक लोकतंत्र, सामाजिक न्याय एवं भारतीय संवैधानिक मूल्यों पर व्याख्यान देते हुए कहा कि एआई मानव का सहायक है, उसका स्वामी नहीं। उन्होंने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को विकसित भारत 2047 की आधारशिला बताया। विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. (डॉ.) निष्ठा जसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच संवैधानिक मूल्यों की रक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विधि शिक्षा, सुशासन और संवैधानिकता की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन के दौरान आयोजित प्लेनरी सत्र में प्रो. (डॉ.) कोमल औदीच्य, सीए पुष्पेन्द्र दीक्षित, प्रो. अमेर फखौरी, प्रो. (डॉ.) विजय कुमार सिंह एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. मनीष सिंघवी ने भी एआई, विधि और सामाजिक न्याय से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव वीरेंद्र कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।

महिला मण्डल ने किया श्याम कीर्तन का आयोजन

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कस्बे वार्ड 23 स्थित सैनी निकेतन में शनिवार को श्री श्याम सखी महिला मण्डल की ओर से श्याम कीर्तन आयोजित किया, जिसमें भजनों की मधुर प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु झूम उठे। इन धार्मिक कार्यक्रम में अखंड ज्योति, भोग, और बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार मुख्य आकर्षण रहे, जो भक्तिमय माहौल दिखा। महिला मंडल और स्थानीय भक्तों की ओर से भजन गायक कलाकार सरोज सिंघानिया के साथ सुमधुर भजनों का गुणगान किया जाता है। बाबा श्याम की प्रतिमा को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान सुशीला सैनी ने अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित के साथ इत्र वर्षा की। अंत में प्रसाद वितरित किया गया। सरोज तुनवाल ने बताया कि ऐसे आयोजन अक्सर समाज में एकता, सकारात्मक ऊर्जा और आस्था को सुदृढ़ करने के लिए महिला मण्डल की ओर से किए जाते हैं। कार्यक्रम में मंजू सैनी, संजू मिटावा, सरोज मोदी, विद्या, बबीता, भंवरी देवी, सरोज तुनवाल सहित अनेक महिला श्रद्धालु उपस्थित रही।

राजकीय महाविद्यालय पाटन में 'परिंडा बांधो अभियान' आयोजित

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। राजकीय महाविद्यालय पाटन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में शुक्रवार को 'परिंडा बांधो अभियान' का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए जल व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर व आसपास के विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाए। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मदनलाल मीणा ने कहा कि पक्षियों व जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता मानवता का महत्वपूर्ण गुण है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीवों के प्रति दया व करुणा की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. योगेश कुमार साबल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी व दाने की व्यवस्था करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी किरण यादव के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आमजन को भी इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।अभियान के दौरान विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण और पक्षी संवर्धन के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

राजपूत राजनीतिक पुनरुत्थान शिविर को सफल बनाने पर मंथन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। आगामी 23 व 24 मई को सालासर में आयोजित होने वाले ' राजपूत राजनीतिक पुनरुत्थान शिविर' को सफल बनाने को लेकर शनिवार को श्री महाराणा विकास संस्थान में राजपूत समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक इंजीनियर महावीर सिंह झाझड़ के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लेकर सहभागिता दर्ज करवाई। कार्यक्रम की शुरुआत वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई।इस दौरान इंजीनियर महावीर सिंह झाझड़ ने सालासर में आयोजित होने वाले शिविर की रूपरेखा, उद्देश्य एवं समाज की भागीदारी को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने समाजजनों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर शिविर को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में आयोजन की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए जिम्मेदारियां तय की गईं। समाज के समक्ष रखी गई रूपरेखा को उपस्थित लोगों ने ध्वनिमत से स्वीकृति प्रदान की।बैठक में ईडब्ल्यूएस आरक्षण के सरलीकरण, नगर पालिका एवं ग्राम पंचायत चुनावों में ईडब्ल्यूएस वर्ग को आरक्षण दिए जाने की मांग पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संगठित प्रयास समय की आवश्यकता है।

नाम परिवर्तन

मेरे पासपोर्ट में भूलवश मेरा नाम मोहम्मद रमजान पुत्र मुमताज खाँ (MOHAMMED RAMJAN S/O MUMTAJ KHAN) व मेरी माता का नाम ताज खान (TAJ KHAN) अंकित हो गया है। जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम- मोहम्मद व उपनाम रमजान (Name- MOHAMMED And Surname - RAMJAN S/o MUMTAJ KHAN) तथा मेरी माता का नाम ताज बानू (TAJ BANU) है।

मोहम्मद रमजान पुत्र मुमताज खाँ, निवासी एदलखानी हाउस, होली धोरा, वार्ड न- 40, सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

बंगाल में टीएमसी ने भय-दादागिरी का माहौल बना रखा था: राज्य मंत्री ओमप्रकाश भड़ाना

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष और राज्य मंत्री ओमप्रकाश भड़ाना अपने दो दिवसीय झुंझुनूं प्रवास के दौरान सर्किट हाउस पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से रूबरू होते हुए सरकार की भावी योजनाओं और सांगठनिक अनुभवों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों की उन्नति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बंगाल चुनाव पर भी चर्चा की। भड़ाना ने कहा बंगाल में टीएमसी ने भय और दादागिरी का माहौल बना रखा था। वहां लोकतंत्र के बजाय तुष्टीकरण और डर के आधार पर शासन किया जा रहा था।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट?:

राज्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आगामी 23 से 25 मई तक जयपुर में जी-राम ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में उन्नत खेती और पशुपालन को बढ़ावा देना है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

'ग्राम रथ' से हर गांव में हो रही योजनाओं की चौपाल:

भड़ाना ने बताया कि मुख्यमंत्री के विजन 'सबका साथ, सबका विकास' को धरातल पर उतारने के लिए पूरे प्रदेश में 'ग्राम रथ योजना' चलाई जा रही है। हर ग्राम पंचायत में एक विशेष रथ जा रहा है, जो एलईडी के माध्यम से सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी दे रहा है। इस यात्रा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे।

बंगाल के अनुभवों पर टीएमसी को घेरा:

पार्टी के काम से करीब डेढ़ महीने तक पश्चिम बंगाल में रहे भड़ाना ने कहा बंगाल में टीएमसी ने भय और दादागिरी का माहौल बना रखा था। वहां लोकतंत्र के बजाय तुष्टीकरण और डर के आधार पर शासन किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता 'सेवा' के भाव से काम करता है। बंगाल की चुनौतियों को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरी मजबूती से लड़ा है और वहां की जनता का आशीर्वाद भाजपा के साथ है। भड़ाना ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने खुद को पार्टी का एक साधारण कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि नई जगहों पर जाने से बहुत कुछ नया सीखने को मिलता है, जिसे वे राजस्थान में अपने कार्यक्षेत्र में उपयोग करेंगे।

आईएमए नीमकाथाना व एसडीएमएच जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सीएमई आयोजित

जयपुर टाइम्स

नीमकाथाना(निस)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) नीमकाथाना व एसडीएमएच जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को एक निजी होटल में सीएमई (कंटीन्यू मेडिकल एजुकेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सकों ने विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर विचार- विमर्श किया। कार्यक्रम में आईएमए अध्यक्ष डॉ. हरवंश गोयल व सचिव डॉ. राजेश जांगिड ने प्रवक्ताओं का पौधा भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान डॉ. प्रतीक गोयल ने घुटने की ऑस्टियो आर्थराइटिस व जोड़ प्रत्यारोपण विषय पर व्याख्यान दिया। वहीं डॉ. सारिका लांबा ने एसडीएमएच में कैंसर देखभाल सेवाओं की जानकारी दी। बैठक में डॉ. सोमदेव बंसल की रिहाई तक आरजीएस से जुड़े चिकित्सालयों में कार्य बंद रखने तथा आईएमए की सदस्य संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। सीएमई में डॉ. नितिन रायसिंघानि, डॉ. विपुल मालपानी, डॉ. मिनाल अय्यर, डॉ. के.सी. गोयल, डॉ. आनंद वर्मा, डॉ. आर.पी. यादव, डॉ. आर.एस. जाखड़, डॉ. कौशल यादव, डॉ. नैना यादव, डॉ. विकास मीना, डॉ. मनीषा मीना, डॉ. एच.एस. गोडवाल, डॉ. राकेश खेदड़, डॉ. सतवीर अवाना, डॉ. सी.पी. सैनी, डॉ. प्रमोद शर्मा, डॉ.

लीलाराम रावत, डॉ. दीपक कुंडू, डॉ. मेघा कुंडू, डॉ. विनोद ढाका, डॉ. शारदा मील, डॉ. मुकेश सैनी, डॉ. अशोक सामोता, डॉ. कृष्णा चौधरी, डॉ. के.के. यादव, डॉ. प्रेम भटनागर, डॉ. राजेश बराला, डॉ. हेमंत कटारिया, डॉ. संजय मल्होत्रा, डॉ. बी.एस. शर्मा, डॉ. सुभाष सैनी, डॉ. महेश चौधरी, डॉ. सुनील कुमावत, डॉ. संजय यादव, डॉ. ऋषि सिंगोलिया, डॉ. मुकेश सामोता, विनोद शर्मा एवं भारत भारद्वाज सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे। अंत में आईएमए सचिव डॉ. राजेश जांगिड ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी का आभार व्यक्त किया।

लोक अदालत में 181 प्रकरणों का निस्तारण, 37.30 लाख रुपए के अवार्ड पारित

जयपुर टाइम्स

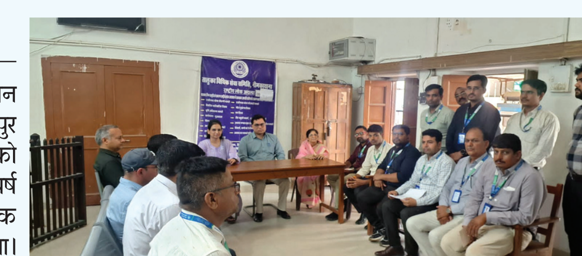

नीमकाथाना(निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार शनिवार को नीमकाथाना उपखंड स्तर पर वर्ष 2026 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति नीमकाथाना के तत्वावधान में आयोजित लोक अदालत में विभिन्न प्रकरणों का आपसी सहमति से निस्तारण किया गया। लोक अदालत में गठित बेंच संख्या-01 की अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनिता यादव ने सदस्य अधिवक्ता शशिकला सैनिक के साथ लंबित प्रकरणों सहित प्री-लिटिगेशन मामलों का निस्तारण किया। इस बेंच की ओर से बैंक रिकवरी, बिजली एवं पानी के बिल सहित कुल 54 प्रकरणों में 26 लाख 36 हजार 700 रुपए के अवार्ड पारित किए गए। वहीं बेंच संख्या-02 के अध्यक्ष अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट राकेश शर्मा व सदस्य मुरारीलाल शर्मा की ओर से 127 प्रकरणों में 4 लाख 43 हजार 477 रुपए के अवार्ड पारित किए गए। दोनों बेंचों की ओर से कुल 181 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 37 लाख 30 हजार 982 रुपए के अवार्ड पारित किए गए। लोक अदालत को सफल बनाने में बार संघ अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी सहित अधिवक्ता दिनेश शर्मा, रोशनलाल मोदी, हर्ष कुमार सैनी, सत्यनारायण सैनी, सत्यनारायण यादव, पंकज सैनी, लोकेन्द्र गुप्ता, चुन्नीलाल सैनी, महबूब आलम, रामसिंह गुर्जर, जे.पी. चौधरी व लोक अदालत सदस्य शशिकला सैनिक का सहयोग रहा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हजारों प्रकरणों का निस्तारण, आपसी समझौते से मिला त्वरित न्याय

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। लोक अदालत के तहत गठित बेंच के अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण जांगिड़ रहे। राजस्व अधिकारी के रूप में उपखंड अधिकारी मिथिलेश कुमार तथा सदस्य के रूप में तालुका विधिक सेवा समिति के सदस्य संतोष इंदौरिया एवं अधिवक्ता सुशील बाकोलिया ने सहभागिता निभाई। लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी समझौते और सहमति के आधार पर निस्तारण किया गया। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश न्यायालय के 15 तथा अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय के 53 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके अलावा 10 वर्ष से अधिक पुराने 2 प्रकरण, 10 लाख रुपए तक के 6 प्रकरण, वैवाहिक विवादों के 26 प्रकरण, प्री-लिटिगेशन के 12 प्रकरण, सेशन का 1, सिविल के 4, एमवी एक्ट के 5095, रेंट मैटर्स का 1 तथा क्रिमिनल कंपाउंडेबल के 31 प्रकरणों का भी निस्तारण किया गया। लोक अदालत के दौरान पक्षकारों ने आपसी समझाइश के जरिए मामलों का समाधान कर न्यायिक प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाने में सहयोग किया। प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में 8 लाख 39 हजार 98 रुपए तथा एनआई एक्ट के मामलों में 27 लाख 61 हजार रुपए की राशि की वसूली भी करवाई गई। इस अवसर पर अधिवक्ता प्रमोद इंदौरिया, आशुतोष पुरोहित, रामावतार ठठेरा, पंकज मंडार, लक्ष्मण प्रजापत, खेमाराम प्रजापत, सुरेंद्र जयसवाल, गौरीशंकर हरितवाल, अजय चौधरी, गौतम नाथोलिया, आकाश इंदौरिया सहित न्यायालय कर्मचारी, अधिवक्ता व बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे।

भाजपा ओबीसी समाज की उपेक्षा कर रही, कांग्रेस करेगी अधिकारों की रक्षा: मंडेलिया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत शनिवार को चूरू शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस में जिला ओबीसी प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चूरू ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नारायण बालाण ने की। कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया एवं जिला ओबीसी प्रकोष्ठ प्रभारी अता हुसैन कादरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने भाजपा सरकार पर ओबीसी वर्ग की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद ओबीसी समाज को उसका अधिकार और उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय और सभी वर्गों की बराबरी की पक्षधर रही है तथा आगे भी ओबीसी समाज की आवाज मजबूती से उठाती रहेगी। जिला ओबीसी प्रकोष्ठ प्रभारी अता हुसैन कादरी ने कहा कि प्रदेश का ओबीसी समाज अपने अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठा रहा है, लेकिन भाजपा सरकार केवल वादों तक सीमित है। उन्होंने कहा कि युवा बेरोजगारी, प्रतिनिधित्व और सामाजिक मुद्दों को लेकर परेशान हैं, जबकि सरकार इन समस्याओं पर गंभीर नहीं है। कांग्रेस पार्टी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी। जिला अध्यक्ष नारायण बालाण ने कहा कि प्रदेश का ओबीसी युवा शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों से जूझ रहा है, लेकिन सरकार केवल प्रचार की राजनीति में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय, समान अधिकार और सभी वर्गों की भागीदारी की समर्थक रही है। बैठक को पीसीसी सचिव रियाजत खां, आशाराम सैनी, बाबू खां भालेरी, धर्मेन्द्र बुडानिया, असलम खोखर, किशोर धान्धू सहित कई नेताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान पार्षद अनीस खान ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ओबीसी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

दहेज में एक लाख रुपए और बाइक की मांग, विवाहिता को घर से निकाला

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। दहेज प्रताड़ना का एक मामला सामने आया है, जिसमें विवाहिता ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने न्यायालय से प्राप्त इस्तगासे के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अंजू मेघवाल निवासी गुंसाईसर तहसील रतनगढ़ ने रिपोर्ट दी कि उसकी शादी 9 अप्रैल 2023 को गिड़गिचिया तहसील सरदारशहर निवासी हंसराज के साथ हुई थी। विवाह के समय उसके पिता ने सामर्थ्य से अधिक दहेज दिया था, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष लगातार एक लाख रुपए नकद और बाइक की मांग करता रहा। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि मांग पूरी नहीं होने पर पति हंसराज, ससुर लालाराम और सास मैना देवी उसे प्रताड़ित करने लगे तथा मारपीट कर 19 अक्टूबर 2025 को घर से निकाल दिया। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

शहीद मोगा की प्रतिमा का अनावरण आज

जयपुर टाइम्स/मण्डावा(निस)। *ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सार्जेंट सुरेन्द्र मोगा की प्रतिमा का अनावरण रविवार को किया जाएगा। शिक्षाविद्व हरलाल सिंह मोगा ने बताया कि पैतृक गांव मेहरादासी में 10 मई को सुबह 10 बजे प्रतिमा अनावरण किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज कल्याण व झुंझुनूं प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, सैनिक कल्याण सलाहकार समिति अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, झुंझुनूं सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, झुंझुनूं पूर्व सांसद क्रमशः सन्तोष अहलावत, नरेन्द्र कुमार, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, चूरू विधायक हरलाल सिंह सहारण, झुंझुनूं विधायक राजेंद्र सिंह भामूं, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह, खेतड़ी विधायक धर्मपाल सिंह, झुंझुनूं भाजपा जिला अध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी आदि मंचासीन अतिथि होंगे।*

स्किट प्रस्तुति के साथ स्व-गणना जागरूकता अभियान का समापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। प्रमुख जनगणना अधिकारी व जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी, बिसाऊ में 1 मई से 'स्व-गणना अभियान' के अंतर्गत जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। यह अभियान विद्यालय के सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा प्रधानाचार्य डॉ. दीपक पुरोहित के मार्गदर्शन में संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में जनगणना 2027 की स्व-गणना प्रक्रिया के प्रति जागरूकता फैलाना था।

प्राचार्य दीपक पुरोहित ने बताया कि

अभियान के दौरान प्रतिदिन विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में विशेष घोषणाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को स्व-गणना के महत्व, उसकी प्रक्रिया व नागरिकों की भूमिका की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक रंगोली निर्माण गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें 'आइए स्व-गणना करें सशक्त भारत का निर्माण करें' जैसे संदेशों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। स्लोगन लेखन गतिविधि के माध्यम से भी विद्यार्थियों ने जन जागरूकता से जुड़े प्रेरणादायक नारे लिखकर अभियान को प्रभावशाली बनाया। अभियान का मुख्य आकर्षण व समापन समारोह में स्किट (नुक्कड़ नाटक) प्रस्तुत किया गया।। सामाजिक विज्ञान विभाग के निर्देशन में कक्षा सी व सी के विद्यार्थियों ने मंच पर प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से स्व-गणना की प्रक्रिया, उसके लाभ व नागरिकों की जिम्मेदारी को सरल व रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। स्किट में यह संदेश दिया गया कि प्रत्येक नागरिक को डिजिटल माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनना चाहिए। विद्यार्थियों के सशक्त संवाद व प्रस्तुति ने उपस्थित सभी को जागरूक एवं प्रेरित किया। प्राचार्य दीपक पुरोहित ने विद्यार्थियों व सामाजिक विज्ञान विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ वि?द्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व व जागरूकता की भावना विकसित करती हैं। विद्यालय परिवार ने अभियान को सफल बनाने के लिए समस्त स्टाफ व विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

स्कार्पियो पलटने से दो घायल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। गत रात्रि को सालासर रोड पर ओम बन्ना मंदिर से पहले लोडसर जा रही स्कार्पियो अचानक दो तीन पलटी मार गई, जिससे उसमें सवार दो लोग घायल हो गए। घायलों को उधर से गुजर रहे लोगो की ओर से बाहर निकालकर मुकेश, विक्रम, टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार की ओर से सुजानगढ़ अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। घायलों मे लोडसर निवासी शिव कुमार प्रजापत, रूपचंद नाई के नाम शामिल हैं। दोनों को हायर सेंटर ले जाया गया है। सूचना पर सदर थाना सुजानगढ़ के हेड कांस्टेबल रामसिंह मौके पर और अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

खेत की पानी की कुंड में डूबने से अधेड़ की मौत

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। तहसील के गांव खोथड़ी में खेत में बनी पानी की कुंड में डूबने से 46 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस के अनुसार सुरेश पुत्र गंगाराम स्वामी ने रिपोर्ट दी कि उसका छोटा भाई धर्मेंद्र उर्फ धर्माराम शुक्रवार को मवेशियों को लेकर खेत गया था। कुछ समय बाद उनके चाचा का पुत्र जयप्रकाश भी खेत पहुंचा, लेकिन धर्मेंद्र वहां दिखाई नहीं दिया। इस दौरान खेत में बनी पानी की कुंड का ढक्कन खुला मिला। जयप्रकाश ने कुंड में देखा तो धर्मेंद्र पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलने पर परिजन एवं पुलिस मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शनिवार को पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्रवेश शुरू

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर कला संकाय के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं।महाविद्यालय प्राचार्य डॉ योगेश चाहर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन 1 मई से ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 मई है। सूची का प्रकाशन 20 मई को किया जाएगा एवं दस्तावेज सत्यापन तथा फीस जमा करवाने का कार्य 25 मई तक किया जा सकेगा।

एसबीडी राजकीय महाविद्यालय में प्रवेश जारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के एसबीडी राजकीय महाविद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए स्नातक प्रथम सेमेस्टर में कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय के लिए ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया 01 मई 2026 से जारी है। प्राचार्य प्रो कविता शर्मा ने बताया कि प्रवेशार्थी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से लॉगइन कर अपना प्रवेश आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय अपनी योग्यता तथा आवश्यक प्रमाण-पत्रों जैसे नाम, पिता व माता के नाम की वर्तनी, जन्मदिनांक, फोटो, हस्ताक्षर व अन्य दस्तावेजों की जांच कर ही आवेदन अपलोड करें। बोनस अंक के लिए प्रवेशार्थी को प्रवेश नीति के अनुसार संबंधित प्रमाण-पत्र को दोनो साईड से स्कैन करवाकर ही आवेदन फॉर्म के साथ अपलोड करना चाहिए। ओबीसी व ईडब्ल्यूएस के संबंध में प्रवेशार्थी के पास वर्तमान का अथवा 2 वर्ष पूर्व तक का प्रमाण पत्र ही मान्य होगा। आवेदक ई-मित्र/पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करते समय महाविद्यालय अनुसार विषय संयोजन को भली भांति जांच लें। ऑनलाईन प्रवेश कार्यक्रम को महाविद्यालय वेबसाईट पर भी देखा जा सकता है।

जलभराव की चुनौती को लेकर हस्ताक्षर अभियान शुरू

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। हमारा शहर, हमारी जिम्मेदारी के तहत शहर की सबसे बड़ी चुनौती जलभराव सिवरेज को लेकर शनिवार से हस्ताक्षर अभियान लाडनूं बस स्टैंड पर शुरू किया गया है। सुजानगढ़ के पूर्व चेयरमैन बी. पी. शर्मा, राजकुमार दायमा, पन्नालाल सोनी, गोपाल गोदारा, विजयपाल श्योराण, विक्की परावा, सुरेन्द्र नामदेव, बिहारी, गोपाल सामरिया, बजरंग लाल, मनोज सोनी आदि ने हस्ताक्षर किए।

मैस अध्यक्ष का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय जाट छात्रावास के मैस अध्यक्ष अशोक टांडी का स्वागत एवं विदाई समारोह गत शाम को आयोजित किया गया। अशोक टांडी ने कहा कि चार सालों तक मैंने विद्यार्थी हितों के लिए संघर्ष किया है और आगे भी करता रहूंगा। टांडी ने छात्रावास में वाटर कूलर प्रदान करने की घोषणा की। इस दौरान कॉमरेड रामनारायण रूलाणिया, जेठाराम गुर्जर, प्रदीप, कमल जाट, पवन भामू, कुलदीप भामू, खुशी, राजा खान, भींयाराम भामू, सुशील जाट, प्रवीण ढ़ाका, रामरतन एचरा, रामावतार जांदू, अंकित जांदू, विकास, अजयपाल, सुरेंद्र आदि ने साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर अशोक टांडी का स्वागत किया।

आदर्श शिक्षण संस्थान चूरू ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। रतनगढ़ रोड़ स्थित श्रीमती केशर देवी सोती आदर्श विद्या मंदिर में आदर्श शिक्षण संस्थान की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 34 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। आदर्श शिक्षण संस्थान के व्यवस्थापक सुरेश सैनी की ओर से शाब्दिक स्वागत और प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिला सचिव त्रिविक्रम अपूर्वा ने मंचासीन अतिथियों का परिचय करवाया।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, चूरू के जिला संघचालक ओमप्रकाश सैनी ने कहा कि विद्या भारती केवल ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों पर आधारित संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह विद्या भारती संघठन देश का ही नहीं अपितु विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी शिक्षण संस्थान है, जो भारतीय संस्कृति के अनुरूप ही शिक्षा प्रदान करता है। समारोह में विद्यार्थियों, आचार्यों तथा प्रधानाचार्यों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न व नकद राशि प्रदान कर कुल 613 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण, सेवा और आत्मविकास की महत्ता पर बल दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुसुमदेसर गांव के सरपंच पवन सिंह राठौड़ ने शहीद सगत सिंह राठौड़ के प्रेरणादायी जीवन परिचय पर प्रकाश डाला तथा विद्या मंदिर की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में विद्या मंदिर विद्यालयों की शिक्षा प्रणाली सर्वश्रेष्ठ सिद्ध हो रही है। यहाँ शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ विद्यार्थियों को राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता, स्वदेशी चेतना और पर्यावरण संरक्षण जैसे मूल्य आधारित विषयों पर भी शिक्षित किया जा रहा है। इस अवसर पर सत्यवीर सहारण, राजेन्द्र पथानियाँ, ओमप्रकाश गुसाई, बनवारीलाल वर्मा, मनीष बेदी, महेश शर्मा, किशनलाल सैनी, विक्रम नाथावत, प्रभुदयाल प्रजापत सहित सहित जिले की स्थानीय प्रबंध समिति सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सरिता शर्मा तथा दिनेश तिवाड़ी ने किया।

मदर्स डे पर रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय बाल भारती इण्टरनेशनल स्कूल मदर्स डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या विनिता चौधरी रहीं। जबकि विशिष्ट अतिथि डूंगरगढ़ सीबीईओ सरोज वीर पूनियां, डॉ. साधना प्राचार्य रहे। प्रधानाचार्या चांदकिरण शेखावत, प्रबन्धक बुधाराम खिलेरी ने अतिथियों का माल्यार्पण व शाल पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि विनिता चैधरी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि महिलाएँ आज अनेक भूमिकाओं का निर्वाह करती है, लेकिन माँ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि बच्चों की प्रथम गुरू माँ ही होती है। सरोजवीर पूनियाँ ने कहा की बच्चों के विकास में माँ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चा वही सिखता है जो उसके माता पिता करते है। अतः सभी माताओं को अपने बच्चों के सामने बहुत अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि सभी बच्चे अपनी माँ को रौल माडल मान सके। डॉ. साधना ने मदर्स डे पर सभी उपस्थित माताओं को शुभकानाएं दी। कार्यक्रम के अन्त में स्कूल डायरेक्टर प्रेम नेहरा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बेस्ट आउट आफ वेस्ट तथा कुकिंग विदाउट फायर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बेस्ट आउट आफ वेस्ट में टियारा कन्दोई, दीक्षा विजेता रहे। कुकिंग विदाउट फायर में सायशा, वेदांश, स्वरा एवम् सिद्धिका जैन विजेता रहे। कार्यक्रम में प्रबंधन कमेटी के लोग व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। संचालन योगिता शर्मा तंवरा और दक्षिता राठौड़ भीमसर ने किया।

गुरु के उपदेशों का पालन, विनम्रता, श्रद्धा और अनुशासन ही सच्ची गुरु सेवाः पारीक

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष अरविन्द पारीक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता और व्यवसायिक जीवन दोनों का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गुरु के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से व्यक्ति न केवल जीवन में सफलता प्राप्त करता है, बल्कि सही निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करता है। वे माऊली दत्त सद्गुरु डॉ. अण्णा महाराज के सम्मान व आध्यात्मिक संवाद, इंदौर आश्रम में गरिमामय आयोजन को संबोधित कर रहे थे। ज्ञात रहे इंदौर स्थित माऊली दत्त सद्गुरु डॉ. अण्णा महाराज के पावन आश्रम में एक अत्यंत गरिमामय, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की महानता, संस्कृति संरक्षण और आध्यात्मिक मूल्यों को समर्पित रहा। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डा0 भरत शर्मा ने सद्गुरु डॉ. अण्णा महाराज से सौजन्य भेंट कर उनका विधिवत सम्मान किया। कार्यक्रम में इंदौर से समाजसेवी सुनील पटेल की भी विशेष उपस्थिति रही। आश्रम परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, अनुयायी एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे वातावरण में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। सद्गुरु डॉ. अण्णा महाराज के प्रेरणादायी विचार कार्यक्रम के दौरान सद्गुरु डॉ.

अण्णा महाराज ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि गुरु और शिष्य का संबंध केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह आत्मिक और जीवन को दिशा देने वाला संबंध होता है। उन्होंने कहा कि जब शिष्य पूर्ण श्रद्धा, समर्पण और विनम्रता के साथ गुरु के मार्गदर्शन को अपनाता है, तभी उसके जीवन में वास्तविक ज्ञान का उदय होता है। उन्होंने यह भी कहा कि गुरु केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते, बल्कि शिष्य के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। एक सच्चा गुरु शिष्य को आत्मनिर्भर, संस्कारी, नैतिक और चरित्रवान बनाता है।

सरदारशहर उपजिला चिकित्सालय में जुड़वा बच्चों की सफल नॉर्मल डिलीवरी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय उप जिला चिकित्सालय में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रिया शेखावत ने एक जटिल जुड़वा बच्चों के मामले में सफल नॉर्मल डिलीवरी करवाकर मां और दोनों नवजातों की जान सुरक्षित बचाई। डॉ प्रिया शेखावत ने बताया कि करीब 30 वर्षीय गर्भवती महिला प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि महिला के गर्भ में जुड़वा बच्चे थे। जिसमें पहला बच्चा उल्टी स्थिति ब्रीच पोजिशन में था। जबकि दूसरा बच्चा सामान्य स्थिति में था। आमतौर पर ऐसे मामलों में ऑपरेशन की संभावना अधिक रहती है। लेकिन डॉ प्रिया शेखावत और उनकी टीम ने अनुभव और सूझबूझ का परिचय देते हुए चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में सफलतापूर्वक नॉर्मल डिलीवरी करवाई। डिलीवरी के बाद मां और दोनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ हैं। उप जिला चिकित्सालय में इस प्रकार की जटिल डिलीवरी की सफलता से क्षेत्र के लोगों में चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रिया शेखावत ने बताया कि यह एक जटिल प्रक्रिया थी। जिसमें पहला बच्चा उल्टा था। आमतौर पर जब ऐसी स्थिति होती है तो दूसरे बच्चे को खतरा रहता है और नॉर्मल प्रसव करना मुश्किल होता है। लेकिन हमारी कोशिश और महिला के परिजनों

के विश्वास की वजह से यह सब संभव हो पाया है और अब दोनों बच्चे और उनकी मां पूरी स्वस्थ है। उन्होंने कहा कि इस महिला के पहले भी एक बच्चा पेट में ही खत्म हो चुका था। इसलिए घरवाले पहले से घबराए हुए थे। लेकिन अब एक साथ दो बच्चें होने के कारण स्थिति और मुश्किल थी। लेकिन सफलता के बाद परिजन भी खुश नजर आ रहे हैं। महिला के पति मोटाराम झोरड़ ने डॉ प्रिया शेखावत का आभार प्रकट करते हुए कहा कि डॉ प्रिया शेखावत की वजह से यह सफल डिलीवरी हो पाई है। उन्होंने कहा कि हम पहले चिंतित थे। लेकिन डॉक्टर के आश्वासन के बाद सब कुछ सही हुआ और अब मेरे दोनों बच्चें और मेरी पत्नी बिल्कुल सही है। राजकीय उप जिला चिकित्सालय में अच्छे डॉक्टर आने के बाद क्षेत्र को लोगों बड़ी राहत मिली है।

मदर्स डे पर माताओं का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के श्री आदर्श क्रिएटिव स्कूल में शनिवार को मदर्स डे समारोहपूर्वक मनाया गया। दीप प्रज्वलन के साथ प्रारम्भ हुए इस समारोह में बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति भाव व्यक्त करते हुए एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। प्राथमिक विभाग के नन्हें मुन्ने बच्चों ने अंगुली पकड़ कर मां, मेरे दिल में रहती मेरी मां, अच्छी मां, प्यारी मां, पर बहुत ही भावपूर्ण नृत्य कर उपस्थित माताओं को भावुक होने के लिए मजबूर कर दिया। आयुषी एंड ग्रुप, दीक्षा एंड ग्रुप, हर्षिता एंड ग्रुप, माहि एंड ग्रुप की ओर से माताओं के जीवन वृत्त को रेखांकित करने वाली मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी उपस्थित जनों का दिल जीत लिया। हर्षिता, टीना, जया एवं भव्या ने स्वरचित कविता के माध्यम से अपनी माताओं को सेल्यूट किया। अनेक माताओं ने अपने बच्चों के साथ नृत्य प्रस्तुत कर समारोह में चार चांद लगा दिए। समारोह का मुख्य आकर्षण माताओं को आदर्श मदर ऑफ़ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित करना रहा। कक्षा 5 व 8 में, ग्रेड वाले 64 व कक्षा 10 व 12 में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 107 विद्यार्थियों की माताओं को दुपट्टा पहनाकर व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। निदेशक गिरीश लाटा ने अपने उदबोधन में अनेक प्रेरक प्रसंगो के माध्यम से माताओं के त्याग, समर्पण व अपने बच्चों के लिए किए जा रहे अथक परिश्रम के लिए सेल्यूट करते हुए कहा कि विद्यार्थी की सफलता से सर्वाधिक योगदान माताओं का होता है। अतः प्रत्येक माताएं वंदनीय होती है। अभिनंदनीय होती है। प्राचार्य डॉ प्रमोद पांडिया, एकेडमिक डायरेक्टर शिवरतन पारीक, आदर्श महाविद्यालय प्राचार्य डॉ मनीषा वर्मा, प्राइमरी विंग प्रभारी हेमलता महर्षि ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता रही सुनीता चौधरी को आदर्श मदर ऑफ़ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तृप्ति जैसनसरिया, लक्षिता चौधरी, मंजू देवी को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया।

एनआई एक्ट न्यायालय खोलने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। प्रदेश के कानून मंत्री जोगाराम पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह राठौड़, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को भाजपा नेता जयश्री दाधीच के नेतृत्व में अभिभाषक संघ की ओर से ज्ञापन सौंपे गए हैं। बार अध्यक्ष सुरजमल यादव, उपाध्यक्ष प्रदीप कठातला, सचिव एडवोकेट बनवारीलाल बिजारणिया, एडवोकेट विमल गोदारा, दशरथसिंह, महावीर सिद्ध, भाजपा नेता कमल दाधीच की मौजूदगी में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि सुजानगढ़ में जनहितो के मध्यनजर नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट (एनआई) एक्ट के मामलों की सुनवाई के लिए एन आई एक्ट न्यायालय खोला जावे तथा सब जेल की स्थापना करने की स्वीकृति प्रदान की जाए।

जॉइंट में खराबी से लीकेज, व्यर्थ बह रहा पानी

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। सौथलिया गेट में स्थानीय जलदाय विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही के कारण रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। जिससे कई घरों में पानी की एक बूंद नहीं आ रही है। घरों में एक ओर जहां चिलचिलाती गर्मी में पानी की खपत बढ़ जाती है वहीं पानी नहीं आने से लोगों को काफी परेशानी से गुजरना पड़ रहा है। सौंथलिया गेट के पास जलदाय विभाग की ओर से कुछ रोज पूर्व नई पाइप लाइन डालकर उसे पुरानी पाइप लाइन में जोड़ा गया था। लेकिन ज्वाइंट सही नहीं लगने से वहां पर लीकेज हो गया। जिससे रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। इस क्षेत्र के करीब दो दर्जन घरों में 10-12 रोज से पानी सप्लाई पूरी तरह बंद हो गई। जिससे लोगों को गर्मी के मौसम में मजबूरन दूर दराज से पानी लाने या टैंकरों से मंगवाना पड़ रहा है। इस क्षेत्र के वाशिंदों ने बताया कि लीकेज ठीक करवाने के लिए जलदाय विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को कई बार अवगत कराया लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों में विभाग के प्रति आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है। समस्या का समाधान नहीं

हुआ तो आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।